ज्ञान विचार

न्याय हमेशा समानता के विचार को पैदा करता है। : डॉ. भीमराव अम्बेडकर

PKL NO.KKR/184/2022-24

हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

सच्ची व स्टीक खबर , आप तक

सम्पादक : जरनैल सिंह

छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233

समस्त भारत में एक साथ प्रसारित

HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 01 जनवरी 2023 वर्ष : 5, अंक : 17 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

प्रेरणास्त्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया IAS(Retd.), पूर्व उद्योग मंत्री हरियाणा सरकार

मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd), पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा

पीएचडी की मानक उपाधि से विभूषित हुए डॉ. सुनील बसताड़ा

पत्रकारिता व समाजिक जागरूकता के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान पर मिला सम्मान

सोशल अवेयरनेस एंड पीस यूनिवर्सिटी (एसएपीयू) फ्लोरिडा, यूएसए ने दिया 'गौरव रत्न सेवा सम्मान: 2022'

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

मुनानगर । विजय रथ पर ऐसे ही नहीं सवार हुआ जाता, पहले अग्निपथ पर चलना पड़ता है। ये चंद अल्फाज जिला यमुनानगर के सूचना एवं लोक संपर्क अधिकारी एवं सीएम सिटी करनाल निवासी डॉ. सुनील बसताड़ा पर सटीक बैठते हैं। जिन्होंने संघर्षशील जीवन पद पर चलते हुए हमेशा अपना हर कदम राष्ट्रहित व समाजहित को लेकर आगे बढ़ाया है। पत्रकारिता को सेवा का आधार बनाकर उन्होंने अपनी कलम से हमेशा समाज व देश को नई दिशा देने का काम किया है। राष्ट्रवादी व मानवतावादी विचारों के धनी डॉ. सुनील बसताड़ा की इन्हीं उपलब्धियों को देखते हुए 18 दिसंबर रविवार को सोशल अवेयरनेस एंड पीस यूनिवर्सिटी (एसएपीयू) फ्लोरिडा, यूएसए ने उन्हें जयपुर (राजस्थान) में पत्रकारिता व समाजिक जागरूकता में उत्कृष्ट कार्य को लेकर पीएचडी की मानक उपाधि से नवाजा। रेनबो चैरिटी यूनिवर्सल ट्रस्ट व राष्ट्रवादी सर्व समाज विकास मंच के सहयोग से आयोजित इस 'प्रतिभा सम्मान' समारोह में उन्हें यह सम्मान कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे जस्टिस यू.सी.बारूपाल.के कर कमलों द्वारा दिया गया। इस उपाधि के साथ ही डॉ. सुनील बसताड़ा को 'गौरव रत्न सेवा सम्मान 2022'' से भी विभूषित किया गया। आपको बता दें कि डॉ. सुनील को विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य को लेकर अनेकों

अवार्ड व सम्मान मिल चुके हैं। जिसमें कर्मयोगी अवार्ड व हिन्दी दिवस सम्मान, उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान इत्यादि शामिल हैं।

कार्य के प्रति ईमानदारी और असहायों के प्रति जिम्मेवारी कभी नहीं भूलते 'डॉ. सुनील'

ईमानदारी व निष्ठा के साथ अपने कार्य को करने वाले डॉ. सुनील बसताड़ा असहाय लोगों की मदद करना कभी नहीं भूलते। वे सालों से गरीब बच्चों की शिक्षा में मदद करते आ रहे हैं। इसके साथ ही जरूरतमंद परिवारों की बेटियों की शादी करवाना, सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाना, दहेज प्रथा रोकथाम, गरीबी उन्मूलन, स्वच्छता अभियान, नारी सम्मान सहित अन्य समाजहित व देशहित को लेकर आवाज उठा रहे हैं। इसके साथ ही राष्ट्रवादी शोषित समाज सभा का गठन कर आमजन खासकर युवा पीढ़ी को राष्ट्र प्रेम के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं।

अपने माता-पिता के बाद शांति दूत प्रेमपाल रावत को मानते हैं अपना आदर्श

2 सितंबर 1974 को जिला करनाल के गांव बसताड़ा में एक मध्यम वर्गी परिवार में जन्म हुआ। पिता सुगन चंद हरियाणा कृषि विभाग में कर्मचारी थे। गांव से ही प्राथमिक शिक्षा पूरी करने के उपरांत करनाल के डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल से हाई स्कूल परीक्षा उतीर्ण की। राजकीय महाविद्यालय ज्ञानपुरा से 11वीं कक्षा पास करने के बाद वर्ष 1991-92 में वे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े। इसके बाद हिन्दी विषय में एमए की तथा कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से पत्रकारिता का कोर्स किया और अपनी लेखनी के साथ पत्रकारिता का सफर शुरू किया। डॉ. सुनील बसताड़ा जीवन में अपने माता-पिता के बाद अन्तर्राष्ट्रीय शांति दूत प्रेमपाल रावत को अपना आदर्श मानते हैं जबकि सामाजिक रूप से प्रो. राजेंद्र उर्फ रज्जू भैया से प्रेरित हैं।

'' भीड़ में शोर मचाने वाले, अक्सर भीड़ का ही बन जाते हैं, जब कि खामोशी से मेहनत करने वाले लोग एक दिन अपने मुकाम को जरूर हासिल कर जाते हैं।

इसलिए मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहूंगा कि मुझे जो ये पत्रकारिता व समाजिक जागरूकता में उत्कृष्ट कार्य को लेकर पीएचडी की मानक उपाधि मिली है उसका श्रेय मेरे माता-पिता को जाता है। जिनकी शिक्षा, संस्कार और प्रेरणाओं ने मेरा हमेशा मार्गदर्शन किया। और मैं पत्रकारिता व सामाजिक कार्यों से जुड़े अपने हर साथी से यहीं कहना चाहूंगा कि '' सकारात्मक पत्रकारिता से समाज का भला कीजिए''।

उझाना में अनुसूचित जाति के लोगों एवं प्रशासन के बीच तनाव बरकरार

बसपा पदाधिकारियों ने मीटिंग कर मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम दिया ज्ञापन

गजब हरियाणा न्यूज/राममेहर

नरवाना । उपमंडल के उझाना गांव में दिनांक 22 दिसम्बर से बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा के विवाद को लेकर प्रशासन एवं स्थानीय लोगों के बीच तनाव बना हुआ है। जिसके बारे में बहुजन समाज पार्टी विधानसभा नरवाना कार्यकारणी की मीटिंग अम्बेडकर भवन में सम्पन हुई। जिसमें जिला जॉन इंचार्ज सूरत सिंह ने बताया कि 22 जून को भारत रत्न बाबा साहब अम्बेडकर जी की प्रतिमा जो गांव उझाना की सरकारी जमीन पर लगी थी वो प्रशासन ने गैरकानूनी एवं अपमानित तरीके से उखाड़ ली थी। ग्रामीणों ने बताया कि सन 1984 में सरकार ने अनुसूचित जाति के गरीब लोगों को प्लॉट आबंटित किये थे। जहां पर अनुसूचित जाति के लगभग सौ से ज्यादा परिवार रहते हैं।जिनके पास कोई सामुदायिक भवन एवम चौपाल आदि नहीं है और यह जमीन उनको सांझे प्रयोग के लिए ही आबंटित हुई थी। जहाँ पर स्थानीय सभा 2017 के प्रयास कर रही है। जिसको लेकर वो सभी दफ्तरों एवं नेताओं के चक्कर काट चुके है। दिनांक 22 दिसम्बर को एसडीएम नरवाना ने बिना किसी उच्च अधिकारी के दिशानिर्देश के अनुसार एवम बिना किसी नोटिस दिए बिना भारत रत्न बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा को उखाड़ लिया था। तब से गांव में तनाव बना हुआ है। इसी विषय

को लेकर बसपा कार्यकारणी की मीटिंग हुए एवं मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया गया। जिसके विषय में हल्का अध्यक्ष प्रदीप दबलैन ने बताया कि हम चाहते हैं कि गांव में हालात न बिगड़े और गांव में सौहार्द एवं भाईचारे का माहौल बना रहे। यह सारा अपवाद प्रशासन ने खड़ा किया है और प्रशासन इसे जितनी जल्दी हो सके ठीक करके गांव में तनाव की स्थिति को खत्म करें और यह कोई जातिगत मामला न बनने पाए यह जिम्मेदारी भी प्रशासन की है। बसपा ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि विवादित जमीन बाबा साहब अम्बेडकर के नाम से जितनी जल्दी को सके अलॉट की जाये और बाबा साहब की प्रतिमा को पुन: सह-सम्मान स्थापित किया जाए और वहां पर बाबा साहब अम्बेडकर के नाम से भवन निर्माण करवाया जाए। जो दोषी है उनके ऊपर उचित करवाई की जाए एवं एसडीएम को तुरंत प्रभाव से निलंबित किया जाए।क्योंकि संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर सबके आदर्श है,उनका अपमान किसी भी हालत में सहन नहीं किया जाएगा। बहुजन समाज पार्टी ने गांव के सभी लोगों से प्रेम,प्यार,सौहार्द एवम भाईचारा बनाए रखने की अपील की है।यह मामला अनुसूचित जाति एवम प्रशासन के बीच का मामला है इसे जातीय रंग न दिया जाए। इस मौके पर संजीव राही सुरजाखेड़ा, सोमबीर दनोदा, नन्हा राम, देवीराम लोन, महाबीर, रंगीन, राजपाल, सुनहरा,सुनील नरवाना, अमित राठी, सत्यनारायण, जयबीर सुरजाखेड़ा, विशाल बौद्ध आदि पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अटल नगर में मूल सुविधाएं न देने को लेकर सरपंच व ग्रामीणों में सरकार के प्रति पनप रहा रोष

गजब हरियाणा न्यूज

पिपली । खंड के अटल नगर को सरकार द्वारा अलग पंचायत व अलग सरपंच तो दे दिया गया है। परंतु मूल सुविधाओं के नाम पर अटल नगर को अभी तक कुछ नहीं मिला है। जिसके कारण ग्रामीणों व मौजूदा सरपंच दीपक मेहरा में सरकार के प्रति रोष पनप रहा है। गुरुवार को अटल नगर के ग्रामीण व सरपंच दीपक मेहरा ने स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन एवं समाजसेवी संदीप गर्ग से मुलाकात की और उन्हें अटल नगर गांव की अनेक समस्याओं के बारे में अवगत करवाया।

ग्रामीण सरपंच दीपक मेहरा, रणजीत नैन, अनुज, विकास कुमार, राकेश, ज्ञान चंद, सुशील, राजकुमार, भीम सिंह आदि ने कहा कि सरकार द्वारा अटल नगर की अलग पंचायत तो बना भी बना दी है। परंतु मूल सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं अभी तक पंचायत को दिया गया है। उन्होंने कहा कि न तो इस गांव में कोई अस्पताल है, न स्कूल है व न ही अन्य सुविधाएं हैं। इसके साथ-साथ पानी की निकासी की बहुत ज्यादा समस्या है। जिसके कारण ग्रामीणों का आपसी भाईचारा भी खराब हो रहा है। उन्होंने

समाजसेवी संदीप गर्ग से कहा कि वह कुछ अपनी ओर से गांव के विकास के लिए सहयोग करें। वहीं उन्होंने सरकार व प्रशासनिक अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि इन सभी समस्याओं के लिए कई बार वह प्रशासनिक अधिकारियों से मिल चुके हैं। परंतु उसके बावजूद भी गांव की किसी समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने मांग की है कि जल्द से जल्द सरकार इस गांव की ओर देखें और जो वायदे करती है कि गांव का समान रूप से विकास हो रहा है उस वायदे को इस गांव का विकास करके भी पूरा करवाएं। वहीं मौके पर पहुंचे समाजसेवी संदीप गर्ग ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और उन्हें आश्वासन दिया कि जितना भी उनसे हो सकेगा वह गांव के लिए करेंगे। क्योंकि यह गांव लाडवा हल्के में पड़ता है और लाडवा हल्के का प्रत्येक नागरिक उनका अपना है और उनकी हर समस्या का समाधान करने के प्रयास में वह दिन रात लगे रहते हैं।

गजब हरियाणा समाचार पत्र की ओर से नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं

बढ़ती आबादी, बढ़ती चुनौतियां

संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी वैश्विक आंकड़ों के अनुसार दुनिया की कुल आबादी अब आठ अरब को पार कर गई है, जिसमें भारत एवं चीन दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश हैं और अगले साल भारत दुनिया का सर्वाधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। अगर हम अपनी बड़ी आबादी का इस्तेमाल वरदान के रूप में करना चाहते हैं तो हमें अपनी नीतियों की समीक्षा करनी होगी।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने इसकी व्याख्या करते हुए कहा है कि, 'आठ अरब उम्मीदें, आठ अरब स्वप्न और आठ अरब संभावनाएं'। इसका सीधा अर्थ यही है कि दुनिया में जो भी बच्चा जन्म लेता है, उसके साथ उम्मीदें, स्वप्न और संभावनाएं जुड़ी होती हैं। इसीलिए यूएन दुनिया की आबादी आठ अरब हो जाने को मानवता के लिए एक अहम पड़ाव मानता है, जिसमें घटती गरीबी, लैंगिक समानता, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और शिक्षा का विस्तार जैसी उपलब्धियां शामिल हैं। ज्यादा महिलाएं जीने में सक्षम हैं, ज्यादा बच्चे जीवित रह पा रहे हैं और लोग दशकों तक स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। दुनिया की आबादी आठ अरब हो जाने को मानव सभ्यता के विकास के दृष्टिकोण से खुशी का पल इसलिए भी माना जा रहा है, क्योंकि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य, पोषण, व्यक्तिगत स्वच्छता आदि में दुनिया के देशों द्वारा सुधार किए जाने के कारण ही संभव हुआ।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक तीन दशक पहले की तुलना में लोग अब ज्यादा जी रहे हैं। 2019 में जहां लोगों की जीवन प्रत्याशा 72.8 वर्ष हो गई, वहीं 1990 में लोग नौ वर्ष कम जीते थे और उम्मीद जताई जा रही है कि 2050 तक जीवन प्रत्याशा 77.2 वर्ष हो जाएगी। हालांकि भारत का दुनिया का सर्वाधिक आबादी वाला देश बनना उपलब्धि नहीं, बल्कि यह आबादी देश के लिए आने वाले वर्षों में गंभीर चुनौती न बन जाए। भारत को जनसंख्या नियोजन के लिए अभी से ठोस कदम उठाने होंगे। भारत में फिलहाल दुनिया की सबसे ज्यादा युवा आबादी है, लेकिन इसका देश के विकास में भरपूर लाभ कैसे लिया जाए, यह हमारे तंत्र के लिए गंभीर चुनौती है। इसके लिए ऐसे विशेष उपायों पर ध्यान केंद्रित करना होगा, जहां उनके लिए समुचित शिक्षा तथा रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों।

इसके अलावा उद्योग-व्यापार को बढ़ावा देने के भी विशेष उपाय करने की दरकार है, ताकि देश में कृषि क्षेत्र में जरूरत से ज्यादा आबादी की निर्भरता को कम कर उसकी उत्पादकता का सही इस्तेमाल किया जा सके। माना जा रहा है कि भारतीयों की अस्सी फीसद समस्याओं का एक बड़ा कारण जनसंख्या पर अंकुश न हो पाना है। बढ़ती आबादी की विस्फोटक परिस्थितियों के कारण ही संविधान में जिस उद्देश्य से प्राथमिक शिक्षा का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह भी गौण हो गया है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए, लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम 'ऊंट के मुंह में जीरा' ही साबित हुए। बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ रहा है।

तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए, क्योंकि जब तक इन कार्यक्रमों में लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है। 'पीपुल्स कमीशन' की अध्ययन रिपोर्ट में हाल ही में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि देश में चार प्रकार की बेरोजगारी है, ढूंढने के बावजूद काम नहीं मिल पाने वाले लोग, निराश होकर काम ढूंढना बंद कर देने वाले, सप्ताह में केवल एक दिन काम पाने वाले और ऐसा छद्म रोजगार पाने वाले, जिनका काम उत्पादकता बढ़ाने में मददगार नहीं होता। देश में ऐसे लोगों की तादाद करीब 27.8 करोड़ है। देश में प्रतिवर्ष करीब 2.4 करोड़ नए किशोर श्रम बाजार में उतरते हैं, लेकिन उनमें से महज पांच लाख को ही संगठित क्षेत्र में रोजगार मिल पाता है।

अर्थशास्त्रियों के अनुसार अगर देश में 27.8 करोड़ बेरोजगारों को पर्याप्त कार्य मिल जाए तो इससे देश की जीडीपी में पंद्रह फीसद की बढ़ोतरी होगी। आज दुनिया के अनेक देश अपने नागरिकों की न्यूनतम जरूरतों को पूरा करने में भी कठिनाई महसूस करने लगे हैं। संयुक्त राष्ट्र के एक आकलन के मुताबिक दुनिया की करीब नौ फीसद आबादी यानी 69 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी के शिकार हैं और दुनिया की 71 फीसद आबादी भारत सहित कई ऐसे देशों में रहती है, जहां आर्थिक असमानता बहुत ज्यादा है। दुनिया के बयासी करोड़ लोगों को दो वक्त का खाना भी उपलब्ध नहीं होता, 1.4 करोड़ बच्चे गंभीर कुपोषण के शिकार हैं और 45 फीसद बच्चे भूख या अन्य कारणों से मर जाते हैं। 2019 से 2022 के दौरान करीब पंद्रह करोड़ लोग भुखमरी के शिकार हो गए। बढ़ती आबादी की जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के दोहन का पर्यावरण पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इसी के चलते गर्मी के मौसम में अनेक इलाकों में भयानक जल संकट झेलना पड़ता है।

अगर आबादी इसी प्रकार बढ़ती रही तो यह प्राकृतिक संसाधनों के और ज्यादा दोहन का दबाव बढ़ाएगी और ऐसे में कल्पना की जा सकती है कि पर्यावरण पर कितने गंभीर प्रभाव होंगे। हालांकि अधिकांश विशेषज्ञ यही मानते हैं कि बढ़ती जनसंख्या चुनौती है, तो अवसर भी। दरअसल, अगर यही आबादी साधन बन जाए तो एक देश के लिए इससे बड़ा अवसर और कोई नहीं, लेकिन अगर यह आबादी जिम्मेदारी या बोझ बनने लगे तो चुनौती साबित होती है। स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण युक्त भोजन आदि उपलब्ध करा कर ही इसे अवसर में बदला जा सकता है। कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक भारत को खाद्य सुरक्षा से धीरे-धीरे पोषण सुरक्षा की ओर बढ़ना होगा। दरअसल, परिवारों को अगर पोषण सुरक्षा सुनिश्चित होने लगे तो उसकी आय का एक हिस्सा स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च होगा और सशक्त श्रमबल योगदान के लिए आगे आएगा।

भारत में विरोधाभासी नीतियों के कारण जनसंख्या भार हो चली है और अगर हम अपनी बड़ी आबादी का इस्तेमाल वरदान के रूप में करना चाहते हैं तो हमें अपनी आर्थिक नीतियों तथा विकास माडल की समीक्षा करनी होगी। हमारी आर्थिक नीतियां रोजगार सृजन को महत्व देने के बजाय निवेश पर जोर देती हैं और करीब 80 फीसद निवेश संगठित क्षेत्र में होता है, जहां नए रोजगार पैदा होने की संभावना बहुत कम होती है। करीब 45 फीसद आबादी कृषि कार्यों में लिप्त है, लेकिन वहां महज पांच फीसद निवेश ही होता है। जनसंख्या के समुचित नियोजन के लिए हमारे नीति-नियंताओं को शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ युवाओं को किसी न किसी कौशल से लैस करने पर विशेष ध्यान देना होगा, जिससे उद्योग जगत की जरूरत के अनुरूप सक्षम युवा तैयार करने में मदद मिलेगी। बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र का यह कहना ठीक ही है कि यह पल मानवता के लिए संख्याओं से परे देखने और लोगों तथा पृथ्वी की रक्षा के लिए अपनी साझा जिम्मेदारी को पूरा करने का एक स्पष्ट आह्वान है और शुरुआत सबसे कमजोर लोगों के साथ होनी चाहिए।

जरनैल रंगा

प्रिया सिंह.....

राजस्थान की बेटी ने बढ़ाया भारत का मान.....

राजस्थान प्रदेश की पहली महिला बॉडी-बिल्डर ने 39वीं अंतर्राष्ट्रीय महिला बॉडी-बिल्डिंग चैंपियनशिप (थाइलैंड के पटाया) में गोल्ड जीतकर एक बार फिर भारत का नाम रोशन किया है। बता दें कि इससे पहले प्रिया सिंह ने तीन बार मिस राजस्थान 2018,19,20 का और एक बार इंटरनेशनल खिताब भी अपने नाम किया।

प्रिया ने बताया कि एक महिला को बॉडी बनाने में एक पुरूष से ज्यादा डाइट और मेहनत लगती है। ऐसे में उनके परिवार ने उनका साथ दिया। जिसकी वजह से वो आज सफल जिम ट्रेनर हैं। दो बच्चों की मां प्रिया सिंह घर और जिम दोनों में बैलेंस बना कर चलती हैं। जिसमें उनकी बेटी और पति हमेशा उनका सपोर्ट करते हैं।

मूल रूप से राजस्थान के बीकानेर की रहने वाली प्रिया सिंह की शादी 8 साल में कर दी गयी थी।

प्रिया सिंह ने घर की आर्थिक तंगी को देखते हुए काम करने का फैसला किया। इसके बाद उन्होंने जिम में नौकरी के लिए अप्लाई किया। जहां प्रिया सिंह की पर्सनैलिटी के चलते उनको नौकरी मिल गयी। इसके बाद दूसरो को देख प्रिया ने जिम में ट्रेनिंग ली और राजस्थान की पहली सफल महिला बॉडी बिल्डर बनी।

उन्होंने बताया कि जिम की ट्रेनिंग के दौरान ही जाना की बॉडी-बिल्डिंग का कॉम्पिटिशन भी होता है। उस वक्त पता चला कि राजस्थान से कोई महिला बॉडीबिल्डर नहीं है। उस वक्त देखा कि स्पोर्ट्स में महिला प्रतिभागियों को इज्जत की नजर से देखा जा रहा था। बस उसकी वक्त से बॉडी बिल्डर बनने के सफर की शरुआत कर दी थी।

पशु 'प्रिया' : राजस्थान की महिला बॉडी बिल्डर प्रिया सिंह हैं स्ट्रीट डॉग्स की मसीहा....

कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनसे जानवरों की तकलीफ देखी नहीं जाती। वे समर्पित होकर घायल आवारा पशुओं की सेवा करते हैं। इस फेहरिस्त में शामिल हैं जयपुर की एनिमल लवर प्रिया सिंह। प्रिया राजस्थान की पहली महिला बॉडी बिल्डर हैं। उनका एनिमल्स के लिए प्रेम देखकर आप कह उठेंगे शाबाश प्रिया।

जयपुर गली में श्वान का झुंड देखकर शायद आप सहम जाएं। लेकिन प्रिया सिंह के लिए यह रोजमर्रा की बात है। वे आवारा डॉग्स के लिए भोजन सामग्री लेकर पहुंचती हैं और श्वान समूह उन्हें घेर लेता है। प्रिया इन डॉग्स को वैसे ही स्नेह करती हैं, जैसे आमतौर पर लोग अपने पैट्स से करते हैं।

जयपुर के जवाहर नगर में रहने वाली प्रिया सिंह का पशु प्रेम देखते ही बनता है। प्रिया का जीवन कभी सहज नहीं रहा। सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर संघर्ष के दौर से गुजरीं, अपने गांव से जयपुर आकर रहीं, संघर्ष कर एक मुकाम हासिल किया और अब पशु प्रेमी के तौर पर लोग उन्हें जानते हैं। प्रिया को कहीं से भी आवारा श्वान के घायल होने की सूचना मिलती है तो वे उसके उपचार और देखभाल के लिए निकल पड़ती हैं।

टीम के साथ करती हैं पशु सेवा.....

प्रिया कहती हैं कि जानवर अपना दर्द कह नहीं सकता. इसलिए उन्हें केयर की ज्यादा जरूरत है। हम अपनी टीम के साथ निकलते हैं. घायल जानवरों की सेवा करते हैं. उन्हें उपचार के साथ प्यार भी देते हैं। पांच लोगों की यह टीम आपसी सहयोग से पशुओं के लिए दवाओं और खाद्य सामग्री का इंतजाम करती है।

प्रिया न सिर्फ आवारा घायल श्वानों के उपचार में मदद करती हैं, रोजाना 100 से ज्यादा श्वानों के भोजन का प्रबंध भी करती हैं। वे कहती हैं कि हर व्यक्ति को अपने स्तर पर आवारा पशुओं के लिए कुछ सहयोग जरूर करना चाहिए। क्योंकि ये हम पर ही निर्भर हैं।

दिन में जिम, शाम में श्वान सेवा.....

प्रिया के दिन का अधिकतर हिस्सा जिम में बीतता है। वहां अपने प्रोफेशन के काम निपटाकर वे शाम को अपनी कार में श्वानों के लिए भोजन लेकर निकल पड़ती हैं। आवारा पशुओं पर अत्याचार के खिलाफ भी प्रिया आवाज उठाती रही हैं. प्रिया का कहना है कि बॉडी बिल्डिंग में पैशन है तो जीवों की सेवा मेरा काम। आवारा श्वानों को कब से भोजन दे रही हैं, इस सवाल पर वे कहती हैं कि लॉकडाउन के दौरान जब सब कुछ बंद था तो इन श्वानों का ख्याल आया, तभी से इनके लिए अपने स्तर पर भोजन पानी और उपचार की व्यवस्था कर रही हूं। अब यह जीवन का हिस्सा बन गया है।

घायल पशु को असहाय नहीं छोड़ा.....

एक अनुमान के मुताबिक जयपुर शहर में 30 हजार से ज्यादा आवारा श्वान हैं। ये सच है कि आवारा श्वान के कारण लोगों को परेशानी होती है। कभी कभी श्वानों के काटने की खबरें भी आती हैं. लोग अपनी परेशानी जाहिर कर देते हैं। लेकिन ये सभी आवारा श्वान हमारे समाज पर ही निर्भर हैं। आवारा पशुओं से होने वाली परेशानी का जिक्र तो लोग करते हैं लेकिन सड़क पर आवारा पशु को घायल देखकर कोई उसकी मदद के लिए नहीं रुकता। लेकिन प्रिया ने कभी किसी घायल जानवर को असहाय नहीं छोड़ा।

प्रस्तुति : दलीप कुमार

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें। किसी उत्पाद या सेवाओं के संबध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की **'गजब हरियाणा'** समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। **'गजब हरियाणा'** समाचार पत्र के प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।

- समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है। लेखकों के विचार अपने है। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाशित सामग्री से प्रिंटिंग प्रैस का कोई लेना देना नही है।
- समाचार पत्र से सम्बधिंत किसी भी प्रकार की आपत्ति या पूछताछ प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अंदर संपादक के नोटिस में लाएं उसके पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई भी कार्यवाही मान्य नही होगी या पूछताछ का जवाब देने के लिए समाचार पत्र या संपादक मंडल पाबंद नहीं होंगे।
- यदि ब्यूरो प्रमुख, पत्रकार व विज्ञापन प्रतिनिधि आदि लगातार 60 दिन तक समाचार पत्र के लिए काम नही करता है तो उसका समाचार पत्र से कोई संबंध नही होगा, ना ही उसके किसी भी दावे पर कोई विचार किया जाएगा।

26 और 27 नवंबर 2022 को 'डॉ. दहिया क्लासेज-2' सफलतापूर्वक संपन्न

सतगुरु रविदास रिसर्च एंड चैरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से जारी धन्यवाद-पत्र

सभी को प्यार भरी जय गुरुदेव !

विद्वान और संत-महापुरुष, समाज रुपी गाड़ी के दो अटूट पहिए हैं, ये दोनों पहिए लगे हों तो गाड़ी सरपट दौड़ती है। दोनों मिलकर एक और एक 'दो' नहीं, 'ग्यारह' होते हैं। जिससे लक्ष्य को प्राप्त करने में बड़ी आसानी होती है। जब समूची दुनिया में सतगुरु रविदास महाराज जी के विचार को फैलाने की बात आती है, रविदासिया समाज के सम्मान की बात आती है और रविदासिया सत्ता की बात आती है तो संतों-महापुरुषों और विद्वानों का मिलन बहुत ज़रूरी हो जाता है।

इसी प्रयास में, 26 और 27 नवंबर 2022 को स्वामी जगत गिरि आश्रम (भदरोआ, हिमाचल प्रदेश) में आश्रम के गद्दीनशीन परम पूज्य संत श्री श्री 108 गुरदीप गिरि महाराज जी के आशीर्वाद और सानिध्य में दो दिवसीय 'डॉ. दहिया क्लासेज-2' की गुणवत्तापूर्ण कक्षाएँ, बिना किसी व्यवधान के, भव्य माहौल में सम्पन्न हुई, जिसका सारा का सारा श्रेय परम पूज्य संत श्री श्री 108 गुरदीप गिरि महाराज जी, डॉ. सोमा अत्रि जी, ट्रस्ट के अन्य पधाधिकारी और सेवादारों को जाता है।

महाराज जी ने 'सतगुरु रविदास रिसर्च एंड चैरिटेबल ट्रस्ट' के चैयरमैन डॉ. मनोज दहिया जी को दिल से आशीर्वाद दिया, हौंसला बढ़ाया और उनके सम्मान में कोई कमी नहीं रखी।

परम पूज्य संत श्री श्री 108 गुरदीप गिरि महाराज जी के विशाल हृदय और बड़प्पन की कुछ बातें आपसे साँझा कर रहे हैं-

1. आश्रम के मुख्य द्वार पर ही बहुत बड़ा फ़्लेक्स डॉ. मनोज दहिया जी के नाम और उनकी फोटो सहित लगाया गया था।
2. जहां क्लासेज का रजिस्ट्रेशन हो रहा था, वहां भी डॉ. मनोज दहिया जी के नाम और उनकी फोटो के साथ स्वागत पोस्टर लगाया हुआ था।
3. जहां क्लासेज होनी थी उस हॉल में भी दो स्वागत पोस्टर लगे हुए थे।
4. आई कार्ड (**Identity Cards**) भी वही प्रयोग किए गए थे, जिनका सुझाव हमने दिया था।
5. हमारे निवेदन को स्वीकारते हुए क्लासेज के लिए प्रोजेक्टर भी लगाया गया था।
6. सभी प्रतिभागियों को महाराज जी और हमारे चैयरमैन के हस्ताक्षर युक्त सर्टिफिकेट दिए गए थे। ये सर्टिफिकेट भी वही थे जिनका सुझाव हमने दिया था।
7. क्लासेज को लेकर हमने अन्य भी छोटे-छोटे निवेदन किए जिन्हें महाराज जी ने सहर्ष स्वीकार किया।
8. अंत में प्रतिभागियों को एक बैग दिया गया जिसमें दो पुस्तकें और मैगज़ीन थीं।
9. आयोजन पर लाखों रुपयों का ख़र्च आया, सारा ख़र्च स्वामी जगत गिरि आश्रम ने वहन किया है।
10. सबसे बड़ी बात 'डॉ. दहिया क्लासेज-2' को लेकर सारा आश्रम एक मत था और सभी लोग सकारात्मक थे।

परम पूज्य संत श्री श्री 108 गुरदीप गिरि महाराज जी ने हमारे सुझाव स्वीकार करके, हमें सम्मान देकर हमारा मान बढ़ाया है, हम सदैव उनके आभारी रहेंगे।

क्लासेज को लेकर लोगों की प्रतिक्रिया भी बहुत सकारात्मक थी।

उदाहरण के लिए 'डॉ. दहिया क्लासेज-1' और 'डॉ. दहिया क्लासेज-2' अटेंड कर चुके जम्मू के रिटायर्ड प्रिन्सिपल मान्यवर बिशन सिंह परवाना जी ने हमारे चैयरमैन साहब डॉ. मनोज दहिया जी को कहा-आप सतगुरु रविदास महाराज के अंश हैं, आप बाबा साहब डॉ. अंबेडकर के अंश हैं। आप ज्ञान के सागर हैं, आपको बहुत नोलेज है, आपका बहुत गहरा अध्ययन है। आपकी क्लासेज को अटेंड करके कहा जा सकता है कि आपके निर्देशन में कौम बढ़ेगी तो बहुत ही कम समय में हमारा परचम लहराएगा। आपके जैसा विद्वान आज हमारी कौम में है, यह सच में हमारे लिए गर्व की बात है।

उन्होंने कहा की आप जैसी शख़्शियत से रूबरू कराने का श्रेय हमारे संतो को जाता है। इसीलिए मैं सचखंड बल्लां के संतों और पठानकोट के संतों का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ।

डॉ. साहब, आपने हमें अपना प्रेमी बना लिया है, हमें अपनी ओर खिंच लिया है। अब, मैं हमेशा आपके साथ हूँ, जहाँ कहेंगे वहीं मैं उपस्थित हो जाऊँगा। हम आपको पूरी तरह से प्रमोट करेंगे, सपोर्ट करेंगे। आप आगे बढ़ते जाएँ, सतगुरु रविदास महाराज जी का आप पर पूरा-पूरा आशीर्वाद है।

परवाना साहब के ये शब्द हमारे लिए एक अनमोल ख़ज़ाना हैं। हमें इसी प्रकार के अनेक फोन आए हैं, हमें बहुत खुशी हो रही है कि कौम हमें इतना प्यार दे रही है।

दो दिवसीय 'डॉ. दहिया क्लासेज-2' के पहले दिन के मुख्य अतिथि मान्यवर दानिश अगस्तम (आईआरएस) और दूसरे दिन के मुख्य अतिथि मान्यवर डॉ. मुकेश कुमार (एसपी) ने भी हमारे चैयरमैन साहब की खूब हौसला अफजाई की है, हम उनका भी हार्दिक धन्यवाद करते हैं।

इसी ज्ञान चर्चा में, श्री गुरु रविदास दरबार (बर्गेमों, इटली) की सम्मानित संगत की तरफ से हमारे चैयरमैन साहब डॉ. मनोज दहिया जी को 'गोल्ड मेडल' दिए जाने की घोषणा संत सतनाम दास जी द्वारा की गयी।

जिन लोगों ने दो दिवसीय 'डॉ. दहिया क्लासेज-2' में अपना क़ीमती समय दिया हम उनके भी आभारी हैं।

इस गौरवमयी पल में हम, डेरा संत सरवन दास (बल्लां, जालंधर, पंजाब) और स्वामी जगत गिरि आश्रम (भदरोआ, हिमाचल प्रदेश) का दिल से आभार व्यक्त करना चाहते हैं। जिन्होंने इस वैचारिक यात्रा में हमें आशीर्वाद दिया है।

नोट : जहाँ भी 'डॉ. दहिया क्लासेज' होती है, उसी धर्मस्थान के गद्दीनशीन संत-महापुरुष की सहमति से पोस्टर को डिज़ाइंड किया जाता है, जब संत-महापुरुष उसे पास कर देते हैं तब उसको पब्लिक किया जाता है।

उसी पोस्टर को 'धन्यवाद-पत्र' में भी लगाया जाता है। ऐसा ही डेरा संत सरवन दास (बल्लां, जालंधर, पंजाब) में किया था, ऐसा ही अब किया जा रहा है और आगे भी ऐसा ही किया जाएगा। हम संत-महापुरुषों का सम्मान करते हैं, करते रहेंगे।

प्यारी साध-संगत जी, हम इस वैचारिक यात्रा को ऐसे ही सुचारू रूप चलाते रहेंगे। 'डॉ. दहिया क्लासेज-1' और 'डॉ. दहिया क्लासेज-2' हो चुकी हैं। हमें अनेक राज्यों से ऐसी क्लासेज करने का निमंत्रण आ चुका है, जल्दी ही हम 'डॉ. दहिया क्लासेज-3' की घोषणा करेंगे।

आप भी हमसे जुड़ सकते हैं, आप चाहे किसी भी संस्था में कार्य करते हैं, आपका स्वागत है। हो सकता है हमारी कुछ असहमतियाँ हों, लेकिन बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए, असहमतियों के बावजूद मिलकर चलेंगे।

कुछ ऐतिहासिक करते हैं जिससे आने वाली पीढ़ियाँ हमें गर्व से याद करें।

डॉ.मनोज दहिया।

आर्यवीर दल और वेद प्रचार के विस्तार से आर्य समाज को मिलेगी नई पहचान : राज्यपाल

गुरुकुल कुरुक्षेत्र में हुआ आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा की भावी योजनाओं पर मंथन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल

कुरुक्षेत्र । आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा की कॉलेजियम सदस्यों एवं कार्यकारिणी की एक अहम विचार गोष्ठी आज गुरुकुल कुरुक्षेत्र में सभा प्रधान सेठ राधाकृष्ण आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें सभा की भावी कार्ययोजनाओं पर मंथन किया गया। विचार गोष्ठी में उपस्थित कॉलेजियम सदस्यों को महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत का आर्शीवचन भी प्राप्त हुआ। इस अवसर पर सभा प्रधान सेठ राधाकृष्ण आर्य, उपप्रधान देशबन्धु मदान, मंत्री उमेद शर्मा, उपमंत्री अनुराग आर्य, कोषाध्यक्ष सुमित्रा आर्या, सतीश बंसल सहित राममेहर आर्य, जितेन्द्र कादियान, बलवान आर्य, देवदत्त आर्य, नायब सिंह, विजयपाल, रमेश आर्य, विरेन्द्र आर्य, रघुबीर आर्य, डॉ. राजिन्द्र विद्यालंकार, जगदीश आर्य, शिवकुमार आर्य, आचार्य ऋषिपाल, जयदेव आर्य और जगदेव आर्य सहित सभी 105 कॉलेजियम सदस्य मौजूद रहे। मंच संचालन डॉ. राजिन्द्र विद्यालंकार जी द्वारा किया गया। वहीं गुरुकुल के प्रधान राजकुमार गर्ग, मुख्य अधिष्ठाता दिलावर सिंह, उप प्रधान सतपाल काम्बोज, व्यवस्थापक रामनिवास आर्य, मुख्य संरक्षक संजीव आर्य, महाशय जयपाल आर्य, जसविन्द्र आर्य, मनीराम आर्य भी उपस्थित रहे। गुरुकुल में पहुंचने पर प्रधान राजकुमार गर्ग ने सभी कॉलेजियम सदस्यों का जोरदार स्वागत किया।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा आर्य समाज को नई गति देने के लिए वेद प्रचार और आर्य वीरदल के कार्य को विस्तार देना होगा। आर्य वीर दल युवाओं के लिए आर्य समाज में आने का एक मुख्य द्वार है जो स्कूल, कॉलेज में शिविर लगाकर ज्यादा से ज्यादा युवाओं को शारीरिक और चारित्रिक रूप से न केवल मजबूत बनाता है बल्कि उनके अच्छे विचारों का सूत्रपात करता है। आर्य वीर दल के शिविरों में आने वाले युवा देश के सभ्य नागरिक बनकर राष्ट्र को उन्नति के मार्ग पर ले जाने का कार्य करेंगे। आज युवाओं को सबसे ज्यादा अच्छे विचारों की आवश्यकता है जो केवल आर्य समाज के माध्यम से उन्हें दिये जा सके हैं। आर्य समाज को विश्व का सबसे बड़ा संगठन है और श्रेष्ठजनों का समूह है। आर्य समाज के वेद प्रचार कार्य को भी नई गति देने की आवश्यकता है। एक समय था जब आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के पास 80 भजन-मंडली होती थी जो गांव-गांव जाकर ऋषि दयानन्द और आर्य समाज का प्रचार-प्रसार करती थी। आज आर्य समाज ने वेद प्रचार की परम्परा को भुला सा दिया है।

उन्होंने सभा के नवनिर्वाचित प्रधान सेठ राधाकृष्ण आर्य से अनुरोध किया कि सभा द्वारा वेद प्रचार के कार्य को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाएं जिससे लोगों में आर्य समाज की पुरानी पहचान जीवट हो सके। उन्होंने आर्य प्रतिनिधि सभा के सभी सदस्यों को विश्वास दिलाया कि आर्य समाज के कार्य हेतु कहीं भी अगर उनके किसी सहयोग की अपेक्षा है तो नि:शंकोच कहें, वह समाज के कार्य हेतु हर समय तैयार हैं।

आचार्यश्री के उद्बोधन से पूर्व डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार ने आर्य समाज के इतिहास और वर्तमान परिपेक्ष्य में आर्य समाज की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने जिस प्रकार से कठिन परिश्रम और पुरुषार्थ से गुरुकुल कुरुक्षेत्र को जर्जर अवस्था से आज हरियाणा का नंबर वन गुरुकुल बनाया है, उनसे प्रेरणा लेकर उसी सभा को दूसरी शिक्षण संस्थाओं में भी यह परिवर्तन करना चाहिए। उन्होंने सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि सकारात्मक सोच के साथ आर्य समाज की उन्नति के लिए कार्य करें और ऋषि दयानन्द के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं।

अनुसूचित जाति के किसानों को मिलेंगे अनुदान पर ट्रैक्टर : उप निदेशक

10 जनवरी तक किए जा सकते हैं आवेदन : डॉ. कर्मचंद

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल । कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप-निदेशक डॉ. कर्मचंद ने बताया कि विभाग द्वारा वर्ष 2022-23 के दौरान स्पेशल एससी स्कीम एसबी-89 के तहत जिला कैथल के अनुसूचित जाति श्रेणी के किसानों को सब्सिडी पर 30 ट्रैक्टर प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि एससी श्रेणी के किसानों को अन्य मशीनीकरण योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र बनने के लिए ट्रैक्टर स्वामित्व की शर्त अनिवार्य है। इससे अनुसूचित जाति के किसानों की आय बढ़ाने के अलावा रोजगार सृजन में भी मदद मिलेगी। आवेदन 10 जनवरी 2023 तक सरल पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन आमंत्रित किए जाएंगे। एम.एफ.एम.बी पोर्टल पर पंजीकृत एससी श्रेणी के किसान पीपीपी, बैंक विवरण सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी एससी श्रेणी प्रमाण-पत्र,पैन नंबर और आधार कार्ड नंबर अपलोड करके आवेदन कर सकते हैं। यदि प्राप्त आवेदन आबंटित लक्ष्य से अधिक है तो लाभार्थियों का चयन किया जाएगा। आवेदक किसानों की उपस्थिति में जिला स्तरीय कार्यकारी समिति द्वारा डीसी कैथल की अध्यक्षता में किसानों का चयन ऑनलाईन ड्रा के माध्यम से किया जाएगा। चयन के बाद पात्र किसान 15 दिनों के भीतर ट्रैक्टर खरीद कर संबंधित सहायक कृषि अभियंता कैथल के कार्यालय में बिल जमा करेंगे अन्यथा ड्रा की वरिष्ठता के अनुसार प्रतीक्षा सूची के किसानों को मौका दिया जाएगा। किसान किसी भी अधिकृत निर्माताओं की सूची से (35 एचपी से ऊपर) खरीदने के लिए स्वतंत्र हैं। ट्रैक्टरों का भौतिक सत्यापन जिला स्तरीय कार्यकारी समिति द्वारा गठित समिति द्वारा किया जाएगा। इसके बाद डीएलईसी की स्वीकृति के बाद किसानों के खाते में सब्सिडी का वितरण किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने वाले किसान अगले 5 वर्षों में ट्रैक्टर नहीं बेच सकते हैं, जिसके लिए किसान से शपथ पत्र लिया जाएगा। यदि किसान खरीद से 5 वर्ष पूरे होने से पहले ट्रैक्टर बेचता है तो वे लागू ब्याज के साथ सब्सिडी राशि वापिस करने के लिए उत्तरदायी होंगे।

गजब ज्ञान

सामान्य ज्ञान प्रश्न-पत्र

(TEST OF GENERAL KNOWLEDGE)

प्रश्न 1. भारत में कितने केंद्र- शासित प्रदेश हैं ?
उत्तर : (ए) सात (बी) आठ (सी) नौ (डी) दस
प्रश्न 2. भारत में सबसे अधिक जनसंख्या किस प्रदेश (State) की है
उत्तर : (ए) हरियाणा (बी) उत्तर प्रदेश (सी) मध्यप्रदेश (डी) राजस्थान
प्रश्न 3. भारत में सबसे अधिक साक्षरता दर (Rate of Literacy) किस प्रदेश की है?
उत्तर : (ए) बिहार (बी) केरल (सी) झारखंड (डी) हरियाणा।
प्रश्न 4. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य कौन- सा है?
उत्तर : (ए) सिक्किम (बी) राजस्थान (सी) मध्य प्रदेश (डी) उड़ीसा
प्रश्न 5. भारत में अभ्रक (Mica , माइका) का सबसे बड़ा उत्पादक, कौन- सा राज्य है?
उत्तर : (ए) हरियाणा (बी) महाराष्ट्र (सी) उत्तर-प्रदेश (डी) आंध्र प्रदेश
प्रश्न 6. संसद (Parliament) का निचला सदन (Lower House) किसे कहते हैं?
उत्तर : (ए) लोक-सभा (बी) राज्य-सभा (सी) विधान-सभा (डी) विधान परिषद
प्रश्न 7. राज्य-सभा को कौन भंग (dissolve) कर सकता है?
उत्तर : (ए) राष्ट्रपति (बी) उप-राष्ट्रपति (सी) प्रधान-मंत्री (डी) कोई नहीं
प्रश्न 8. राष्ट्रपति, लोक सभा में कितने एंग्लो इंडियन (Anglo Indian) सदस्य मनोनीत (nominate) कर सकता है?
उत्तर : (ए) 5 (बी) 12 (सी) 2 (डी) 3
प्रश्न 9. साधारण विधेयक (Ordinary Bill), संसद के कौन-से सदन में पेश किया जा सकता है -- लोक सभा में या राज्य-सभा में?
उत्तर : (ए) लोक सभा (बी) राज्य-सभा (सी) दोनों में से एक में
प्रश्न 10. संविधान सभा की मसौदा समिति (Drafting Committee of the Constituent Assembly) के अध्यक्ष (Chairman) कौन थे?
उत्तर : (ए) डॉ. राजेंद्र प्रसाद (बी) डॉ. भीम राव अम्बेडकर (सी) जवाहर लाल नेहरू (डी) सरोजिनी नायडू
प्रश्न 11. भारत का राष्ट्रपति समाज-सेवा, साहित्य, विज्ञान, कला-संस्कृति, प्रशासन आदि में विशिष्ट कार्य करने वाले कितने व्यक्तियों को राज्य सभा में मनोनीत कर सकता है?
उत्तर : (ए) 5 (बी) 8 (सी) 12 (डी) 15
प्रश्न 12. भारत की सन 2011 की जनगणना में सबसे कम लिंगानुपात (Male-Female Ratio) किस प्रदेश का था ?
उत्तर : (ए) हरियाणा (बी) पंजाब (सी) केरल (डी) बिहार
प्रश्न 13. भारत का संविधान कब बनकर तैयार हुआ?
उत्तर : (ए) 26 नवंबर, 1949 (बी) 26 जनवरी,1950 (सी) 26 अगस्त,1947 (डी) 15 अगस्त, 1947.
प्रश्न 14. पानीपत की दूसरी लड़ाई , जिसमें अकबर ने हेमू को हराया, किस वर्ष में हुई ?
उत्तर : (ए) 1526 (बी) 1556 (सी) 1761 (डी) इनमें से कोई नहीं
प्रश्न 15. उन्नीसवीं शताब्दी में समाज से पाखंड और अंधविश्वास को खत्म करने, पिछड़े वर्ग के लोगों में सामाजिक चेतना लाने और स्त्री शिक्षा की शुरुआत करने वाले क्रांतिकारी दंपत्ति,महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई, कौन - से राज्य से संबंध रखते थे?
उत्तर : (ए) कर्नाटक (बी) महाराष्ट्र (सी) बिहार (डी) पश्चिमी बंगाल।
प्रश्न 16. वर्ष 1835 में, लॉर्ड मैकाले (Lord Macaulay) की अनुशंसा (recommendation) पर, भारत में इंग्लिश माध्यम से शिक्षा (English Medium of Education) किस गवर्नर जनरल (Governer General) ने शुरू की ?
उत्तर : (ए) लॉर्ड माउंटबेटन (बी) लॉर्ड विलियम बैंटिक (सी) लॉर्ड डलहौजी (डी) लॉर्ड डफरिन
प्रश्न 17. राजा हर्षवर्धन के शासन काल में कौन-सा चीनी यात्री (बौद्ध भिक्षु) भारत आया था?
उत्तर : (ए) फ़ाहयान (बी) मेगास्थनीज (सी) ह्वेन-त-सांग (डी) इब्न बातूता
प्रश्न 18. भारत का कौन-सा राज्य, नारियल (Coconut) का सबसे बड़ा उत्पादक है?
उत्तर : (ए) तमिलनाडू (बी) महाराष्ट्र (सी) केरल (डी) कर्नाटक
प्रश्न 19. भारत में दूध का सबसे अधिक उत्पादन किस राज्य में होता है?
उत्तर : (ए) हरियाणा (बी) पंजाब (सी) उत्तर-प्रदेश (डी) गुजरात
प्रश्न 20. भारत का कौन-सा राज्य, चावल (Rice) का सबसे बड़ा उत्पादक है ?
उत्तर : (ए) असम (बी) पश्चिमी बंगाल (सी) हरियाणा (डी) इनमें से कोई नहीं।

प्रेषक : - डॉक्टर रणजीत सिंह फुलिया विद्यापीठ, कुरुक्षेत्र

भारतीय संविधान

अनुच्छेद व भाग , 261 से 279

अनुच्छेद 261 : सार्वजनिक कार्य, अभिलेख और न्यायिक कार्यवाहियां।
अनुच्छेद 262 : अंतर्राज्यक नदियों या नदी दूनों के जल संबंधी विवादों का न्याय निर्णय।
अनुच्छेद 263 : अंतर्राज्यीय विकास परिषद का गठन।
अनुच्छेद 664 : विधि के प्राधिकार के बिना करों का अधिरोपण न किया जाना।
अनुच्छेद 265 : विधि के प्राधिकार के बिना करों का अधिरोपण न किया जाना।
अनुच्छेद 266 : संचित निधी।
अनुच्छेद 267 : आकस्मिकता निधि।
अनुच्छेद 268 : संघ द्वारा उदगृहीत किए जाने वाले किन्तु राज्यों द्वारा संगृहीत और विनियोजित किए जाने वाले शुल्क।
अनुच्छेद 269 : संघ द्वारा उद्गहित और संग्रहित किंतु राज्यों को सौपे जाने वाले कर।
अनुच्छेद 270 : संघ द्वारा इकट्ठे किए कर संघ और राज्यों के बीच वितरित किए जाने वाले कर।
अनुच्छेद 271 : कुछ शुल्कों और करों पर संघ के प्रयोजनों के लिए अधिभार।
अनुच्छेद 273 : जूट पर और जूट उत्पादों का निर्यात शुल्क के स्थान पर अनुदान।
अनुच्छेद 274 :ऐसे कराधान पर जिसमें राज्य हितबद्ध है, प्रभाव डालने वाले विधेयकों के लिए राष्ट्रपति की पूर्व सिफारिश की अपेक्षा।
अनुच्छेद 275 : कुछ राज्यों को संघ अनुदान।
अनुच्छेद 276 : वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर।
अनुच्छेद 277 : व्यावृत्ति।

गजब जानकारी

भारत के 7 पड़ोसी देश के साथ सीमाओं की लम्बाई
बांग्लादेश –4096.7 किमी.
(असम, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा व पश्चिम बंगाल)
चीन – 3488 किमी.
(जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम एंव अरूणाचल प्रदेश)
पाकिस्तान – 3323 किमी.
(गुजरात, राजस्थान, पंजाब एवं जम्मू कश्मीर
नेपाल – 1751 किमी.
(उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, व उत्तराखंड
म्यांमार – 1643 किमी.
(अरूणाचल प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम, व मणिपुर)
अफगानिस्तान 106 किमी pok
(जम्मू–कश्मीर, (पाक अधिकृत)
भूटान – 699किमी.
(सिक्किम, असम, व पश्चिम बंगाल, अरूणाचल प्रदेश)

डॉक्टर अंबेडकर द्वारा राष्ट्रहित में किए गए कार्य

डॉक्टर अंबेडकर ने हर वर्ग के प्रतिनिधित्व की बात पर हमेशा जोर दिया चाहे वह महिला हो दलित हो पिछड़े हो या सामान्य वर्ग हो वह अपनी रचनाओं में सबके विकास की बात करते हैं किंतु आजादी के पश्चात सामाजिक ढांचा सुधरने की बजाय और अधिक जटिल हो गया है सभी वर्ग वोट बैंक बन गए हैं।

डॉक्टर अंबेडकर का मूल संदेश 'शिक्षित बनो, संगठित रहो संघर्ष करो' है, किंतु उसका पहला अंश ही पूर्ण नहीं हो पाया है। वर्तमान में भी भारत पूर्ण रूप से शिक्षित राष्ट्र नहीं माना जाता है।

डॉक्टर अंबेडकर द्वारा किए गए कार्यों का प्रभाव भारतीय समाज पर बहुत कुशलता से हुआ, हालात पूर्ण रूप से तो सुदृढ़ नहीं हुए, किंतु वर्तमान में दलित-पिछड़े वर्ग तथा महिलाओं की स्थिति बेहतर हुई है।

26 नवंबर, 1949 को भारत का संविधान बनकर तैयार हुआ जिसमें डॉक्टर अंबेडकर ने सर्वजन हिताय की बात पर प्रमुख जोर दिया।

26 नवंबर 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ ,जिसमें समाज के हर व्यक्ति को वोट देने का अधिकार शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार वह अपनी संपत्ति रखने का अधिकार प्राप्त हुआ सत्ता एक विशेष वर्ग के हाथ से निकलकर सामान्य जन के हाथ में आ गई। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनकर विश्व के समक्ष आया।

डॉक्टर अंबेडकर ने समाज में समानता लाने के लिए अंतर्जातीय विवाह का समर्थन किया। उन्होंने समाज में समानता व्याप्त करने के लिए कई आंदोलन भी किए ,जिसमें उनके द्वारा किया गया महाड सत्याग्रह प्रमुख है, जिसमें उन्होंने अछूतों को तालाब से पानी लेने की प्रक्रिया को शुरू कराया अभिजात वर्ग इसका विशेष विरोध करते थे, किंतु सत्याग्रह के पश्चात इस कुप्रथा का अंत हुआ।

डॉक्टर अंबेडकर एक व्यक्ति ना होकर पूरी संस्था स्वरूप थे, उन्हें सिंबल ऑफ नॉलेज नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने केवल दलितों के लिए ही नहीं अपितु संपूर्ण भारत वर्ष के लोगों के लिए अनेक प्रकार के कार्य किए।

रिजर्व बैंक की स्थापना में डॉक्टर अंबेडकर ने विशेष योगदान दिया। वे अर्थशास्त्री थे। वह संविधान सभा में प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे,

उन्होंने भारत का संविधान लिख कर एक बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र की नींव रखी।

जिस प्रकार भारत के लिए गांधी दर्शन आवश्यक है, उसी प्रकार अंबेडकर दर्शन भी आवश्यक है। अंबेडकर दर्शन छात्रों के लिए परम आवश्यक है, वह छात्रों के लिए आदर्श स्वरूप है। अंबेडकर दर्शन में सभी

वर्गों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरणा मिलती है। वर्तमान में दिल्ली सरकार ने स्कूलों के पाठ्यक्रम में डॉक्टर अंबेडकर जी की शिक्षा को निहित करने का प्रयास किया है। डॉ आंबेडकर गुलामी की जंजीरों को तोड़ने की बात करते थे। भारत में सामाजिक स्थिति में सुधार के पश्चात भी वर्तमान में जाति व्यवस्था विद्यमान है। जाति वहीन समाज की स्थापना कब तक रफ्तार नहीं पकड़ेगी जब तक तथाकथित अभिजात वर्ग के लोग इस में भागीदारी नहीं करेंगे। डॉक्टर अंबेडकर के स्वपन के साकार करने के लिए सभी वर्गों को साथ मिलकर कार्य करने होंगे।

प्रेषक:-
अध्यापिका, श्रीमती ममता वर्मा,
विद्यालय, श्री रामकृष्ण योग आश्रम इंटर कॉलेज, देवबंद, जनपद सहारनपुर

समुद्र से पहले प्रकट होती है एक बूंद : स्वामी ज्ञाननाथ

आत्मदर्शी सतगुरू की दया–मेहर से होता है अविनाशी परमात्मा का दर्शन–दीदार : महामंडलेश्वर

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला । निराकारी जागृति मिशन नारायणगढ़ के गद्दीनशीन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ ने रूहानी प्रवचनों में कहा कि जैसे समुद्र से पहले एक बूंद प्रकट होती है फिर दो–चार और फिर हजारों बूंदें प्रकट हो जाती है। जब बूंदों को समुद्र का प्रत्यक्ष में अनुभव और दर्शन–दीदार हो जाता है फिर सभी बूंदें समुद्र में मिल जाती हैं और बूंदों का अस्तित्व हमेशा–2 कि लिए मिट जाता है और सभी बूंदें समुद्र रूप हो जाती हैं। ठीक इसी प्रकार से जब समय के हाकिम आत्मदर्शी सतगुरू की दया–मेहर से इस सर्वव्यापी, सर्वशक्तिमान, सबकुछ करने में समरथ, अड़िग–अडोल, परमसत्य, परमचैतन्य, अजर–अमर और अविनाशी परमात्मा का प्रत्यक्ष में दर्शन–दीदार कर लिया और पल–पल, सदा–सर्वदा अंगसंग होने का एहसास कर लिया। इस जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार एवं सर्वाधार परमतत्व और इसके साक्षात स्वरूप एवं प्रतिनिधि सतगुरू के प्रति अगाध श्रद्धा, अटूट प्रेम, पक्का विश्वास करने का मन में सकंल्प कर लिया फिर किसी दूसरे के ज्ञान–ध्यान का सवाल ही नही पैदा होता। सबसे पहले यह सभी लैकिक और आलौकिक कारणों का महाकारण बाकि सबकुछ बाद में। यह परमसता पहले भी थी वर्तमान में भी और

भविष्य में ज्यों–की त्यों अर्थात तीनों कालों में अडोल और अड़िग रहती है। यही आपका असली परिचय और पहचान है। वास्तव में आप यही हो। इसलिए इसी से और इसके साक्षात स्वरूप प्रतिनिधि समय के आत्मवेता सतगुरू के प्रति अटूट प्रेम , अगाध श्रद्धा, इसी का ज्ञान और इसी का ध्यान करते हुए यही हो जाना चाहिए। यही मनुष्य जन्म का सबसे पहला और अंतिम लक्ष्य है। ऐसी प्रेम भक्ति, ऐसी सोच, ऐसी विचारधारा, ऐसे दृढ़ संकल्प से मनुष्य जीवन में भगवत प्राप्ति, मोक्ष–मुक्ति और प्रेममय, आनंदमय–ज्ञानमय सार्थक जीवन जीने का जीते जी सपना साकार सिद्ध कर सकता है। संसार के सभी क्षणिक सुख वैभव, इंद्रियों के क्षणभंगुर विषय–विकार, यश–मान–कीर्ती, चल अचल संपति, कीमती हीरे–जवाहरात समय के अनुसार समाप्त होने वाले हैं। इसीलिए भिखारियों को लूटने और चींटियों का शिकार करने से कुछ हासिल नही हो सकता।

अमृतवाणी

श्री गुरु रविदास जिओ की

जय गुरुदेव जी

वाणी : रविदास मुडंह काटि करि मूरख करत हलाल ।।गला कटावहु आपना तउ का हउहि हाल ।।

व्याख्या : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते है कि हे मुर्ख जीव !तुम धीरे धीरे जानवर का गला काटने को हलाल कहते हैं , पर तुम ऐसे ही अपना गला काट कर देखो तो तुम्हें पता चलेगा कि ऐसा करने से क्या दशा होती है ?

धन गुरुदेव जी

जितनी तुम्हारी कामनाएं हैं, उतना बड़ा तुम्हारा दुख है : ओशो

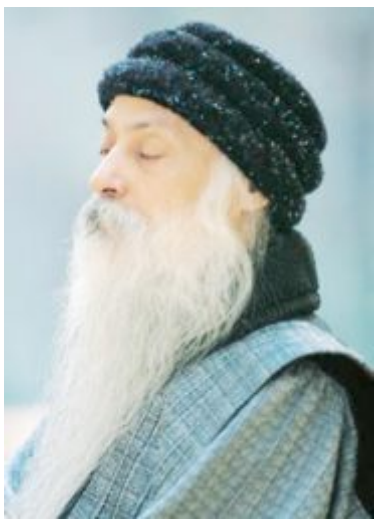

जितनी तुम्हारी कामनाएं हैं, उतना बड़ा तुम्हारा दुख है। जिओगे तो तुम वहां जहां तुम हो और आशाएं तुमने बांध रखी हैं बड़ी-बड़ी, वे सब तुम्हारे आस-पास प्रेतों की तरह खड़ी हो गई हैं।

तुम्हें सताएंगी--बुरी तरह सताएंगी! इससे तुम दुखी हो रहे हो। तुम दुखी अपनी जीवन की स्थिति के कारण नहीं हो रहे हो, तुम अपनी तृष्णाओं के कारण दुखी हो रहे हो। तो जितनी बड़ी तृष्णा होगी, उतना बड़ा दुख होगा।

एक फकीर था अकबर के जमाने में। मरने के करीब आया तो उसने कहा कि मेरे पास कुछ पैसे इकट्ठे हो गए हैं--लोग फेंकते जाते हैं--मैं इस गांव के सबसे गरीब आदमी को दे देना चाहता हूं।

बहुत लोग आए, गरीबी के दावेदार आए, बिल्कुल नंगे फकीर आए, उन्होंने कहा, हमसे ज्यादा गरीब और कौन होगा, हमारे पास कपड़ा भी नहीं है। मगर उसने कहा कि ठहरो, अभी सबसे बड़े गरीब आदमी को आने दो।

लोगों ने कहा, लेकिन अब और तुम किसकी प्रतीक्षा कर रहे हो? अब और कौन गरीब होगा? यह देखते आदमी, लंगड़ा, लूला, कोढ़ी, नंगा, अब और क्या होगा? इसके पास कुछ नहीं है। और भी आए। कोई अंधा था, कोई कुछ था, कोई कुछ था। मगर वह आदमी कहने लगा कि नहीं, सबसे बड़ा गरीब जब आएगा।

और जिस दिन अकबर की सवारी निकली उसके झोंपड़े के सामने से, उसने पूरी थैली जाकर अकबर को भेंट कर दी। अकबर को भी खबर लग गई थी उसकी कि उसने यह घोषणा कर दीया है।

अकबर ने कहा कि मामला क्या है, तुम मुझे दे रहे हो? तुमने तो घोषणा की थी, सबसे बड़े गरीब को। वह फकीर हंसने लगा। उसने कहा, तुमसे बड़ा गरीब इस राजधानी में कोई और नहीं। मैं तुम्हारा दुख जानता हूं, इसलिए तुमको दे रहा हूं।

हालांकि मेरी थैली से कुछ ज्यादा नहीं होगा--पत्र-पुष्प समझो, फूल की पांखुड़ी, तुम्हारी तृष्णाओं के जाल में कुछ इससे बहुत फर्क नहीं पड़ेगा--मगर मैं तुम्हें यह याद दिलाना चाहता हूं कि तुम सबसे बड़े गारीब आदमी हो यहां। क्योंकि तुम्हारी आकांक्षाएं सबसे बड़ी हैं।

आकांक्षाओं के अनुपात में आदमी गरीब होता है। उसी अनुपात में दुखी होता है। फिर तुम्हारी आकांक्षाएं बहुत हैं। सुंदरतम देह होनी चाहिए; तो गरीब हो गए।

कुरूप हो गए। धन होना चाहिए, तो निर्धन हो गए। महल होना चाहिए, तो जिस मकान में रहते थे वह झोपड़ा हो गया। झोपड़ पट्टी हो गया।

एक सुंदर स्त्री होनी चाहिए, क्लियोपैत्रा जैसी सुंदर हो, कि नूरजहां हो, कि मुमताज महल हो, बस तुम्हारी स्त्री एकदम कुरूप हो गई। बेढंगी हो गई। तुम्हारा बेटा अलबर्ट, आइंस्टीन जैसा बुद्धिमान हो, बस, अड़चन हो गई। अब तुम्हारा बेटा बुद्धू हो गया। अब तुम दुख ही दुख में घिरे जा रहे हो।

फिर तुम हिसाब लगा सकते हो। अपनी फेहरिश्त बनाना कि क्या-क्या तुम चाहते हो, जिससे तुम सुखी होओगे? उसी के कारण तुम दुखी हो। जरा फेहरिश्त को बिदा कर दो, तुम्हारा बेटा तुम्हारा बेटा है।

अलबर्ट आइंस्टीन से क्या लेना-देना? और अगर तुम किसी से तुलना न करो--और जो आशा नहीं करता; वह तुलना नहीं करता; तुलना आशा की छाया है--तब तुम्हारा बेटा जैसा है वैसा है। जरा भी दुख देने वाली नहीं है। कोई कारण दुख का नहीं रह गया। तुम्हारे पास दस हजार रुपये हैं, तो तुम दस हजार रुपये से जो सुख ले सकते हो लोगे। क्योंकि ऐसे लोग हैं बहुत, जिनके पास दस रुपये भी नहीं हैं। और जिनके पास दस रुपये नहीं हैं, वे सोचते हैं, दस हजार हो जाएं तो सुखी हो जाएंगे। तुम जरा सोचो, तुम्हारे पास दस हजार हैं, मगर तुम सुखी कहां हो? और तुम सोचते हो, दस अरब हो जाएं तो हम सुखी हो जाएंगे--तो एण्ड्रू कारनेगी का विचार करना। एण्ड्रू कारनेगी के पास दस अरब हैं, सुखी कहां है? तुलनाओं को विदा करके देखो और तुम अचानक पाओगे, दुख के पहाड़ कट गए, छंट गए।

ओशो.

'अरी मैं तो नाम के रंग छकी'

प्रवचन-10 (शाश्वत संगीत भीतर है)

मौत की दवा

श्रीवस्ती नगरी में कृशागौतमी नाम की एक कन्या रहती थी। गौतमी उसका असली नाम था। काम करते-करते वह जल्दी थक जाती थी, अतएव लोग उसे कृशागौतमी के नाम से पुकारते थे। गौतमी ने जवानी में प्रवेश किया, और उसका विवाह हो गया।

गौतमी गरीब घराने की थी, अतएव उसकी ससुराल के लोग उसका यथोचित आदर न करते थे।

कुछ समय बाद गौतमी के एक पुत्र हुआ। अब घर में उसका आदर होने लगा। लेकिन होनहार कुछ दूसरा ही था। गौतमी का शिशु जब कुछ बड़ा हुआ, और इधर-उधर खेलने लायक हुआ तो विधाता ने उसे उठा लिया।

गौतमी ने सोचा - पुत्र-जन्म से पहले मेरा इस घर में अनादर होता था। पुत्र-जन्म के बाद लोग मेरा आदर करने लगे। लेकिन अब ये लोग मेरे प्रिय शिशु को न जाने कहाँ छोड़ देंगे?

गौतमी अपने मृत पुत्र को गोद में ले उसके लिए घर-घर दवा माँगती फिरने लगी।

लोग ताली बजाकर हँसी-ठट्ठा करते और कहते, 'पगली! कहीं मरे हुए की भी दवा होती है।'

किसी भले आदमी को गौतमी पर बहुत दया आयी। उसने सोचा, इसमें इस बेचारी का दोष नहीं। यह पुत्र-शोक से पागल हो गयी है। इसकी दवा बुद्ध भगवान् को छोड़कर और किसी के पास नहीं।

उसने कहा, 'माँ! तुम बुद्ध भगवान् के पास जाकर उनसे पूछो।'

गौतमी अपने शिशु को गोद में ले, जहाँ बुद्ध पालथी मारे बैठे थे, पहुँची और अभिवादन करके बोली, 'महाराज! मेरे पुत्र को दवा दीजिए।'

तथागत ने कहा, 'तूने अच्छा किया जो यहाँ चली आयी। देख, तू इस नगर में से, जिस घर में किसी की मौत न हुई हो, सरसों के दाने माँग ला। फिर मैं तुझे दवा दूँगा।'

भगवान् की बात सुनकर गौतमी बहुत प्रसन्न हुई, और सरसों के दाने लेने के लिए चल दी।

पहले घर में जाकर उसने निवेदन किया, 'देखिए, बुद्ध भगवान् ने मुझे आप लोगों के घर से सरसों माँगकर लाने को कहा है, आप लोग सरसों देने की कृपा करें।'

गौतमी के ये शब्द सुनकर एक आदमी झट से घर में से सरसों के दाने ले आया और गौतमी को देने लगा।

गौतमी ने पूछा, 'पहले यह बताइए कि इस घर में किसी की मौत तो नहीं हुई?'

यह सुनकर घर के लोग आश्चर्य से कहने लगे, 'गौतमी!

यह तू क्या कह रही है? यहाँ कितने आदमी मर चुके हैं, इसका कोई हिसाब है?

गौतमी - 'तो मैं आपके घर से सरसों न लूँगी।'

गौतमी दूसरे घर गयी। सब जगह उसे वही जवाब मिला। उसने समझा, शायद सारे नगर में यही बात हो।

उसे एकदम ध्यान आया कि बुद्ध भगवान् ने शायद जान-बूझकर ही मुझे सरसों माँगने के लिए भेजा है।

वह शीघ्र ही अपने मृत पुत्र को नगर के बाहर श्मशान में ले गयी। उसे अपने हाथ में लेकर बोली, 'प्रिय पुत्र! मैंने समझा था शायद तुम्हीं अकेले मरने के लिए पैदा हुए हो। लेकिन अब मुझे मालूम हुआ कि मौत सबके लिए है। जो पैदा हुआ है, उसे एक न एक दिन अवश्य मरना है।'

इतना कहकर अपने पुत्र को श्मशान में रख, वहाँ से लौट आयी।

लौटकर गौतमी बुद्ध के पास गयी।

बुद्ध ने पूछा, 'गौतमी! सरसों के दाने मिल गये?

गौतमी, 'भगवन! सरसों नहीं चाहिए। उनका काम हो गया है!'

करनाल व पानीपत में पत्रकारिता के इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें।

92551-03233

शील

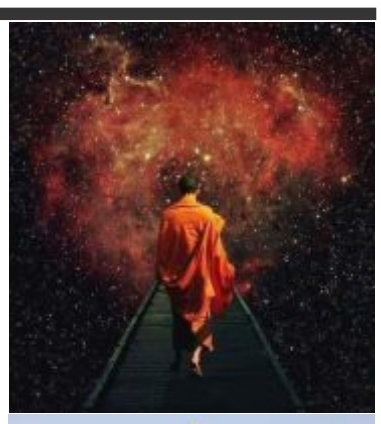

न चंदन की न चमेली की,न जूही की न बेला की, शील (सदाचार) की सुगंध सर्वोत्तम है। सज्जनों की सुगंध हवा के विपरीत दिशा में भी बहती है।

धम्मपद गाथा-54,

न पुप्फगन्धो पटिवातमेति, न चन्दनं तगरमल्लिका वा।

सतञ्च गन्धो पटिवातमेति, सब्बा दिसा सप्पुरिसो पवाति ।

फूलों की सुगंध वायु की विपरीत दिशाओं में नहीं जाती। न चंदन की, न तगर की, न बेला की, मल्लिका की, न चमेली की। लेकिन सज्जनों की सुगंध वायु की विपरीत दिशा में भी जाती है। प्रज्ञावान, सत्पुरूष, संतपुरूष अपनी सुगंध सभी दिशाओं में बहाते हैं। इस संसार में यही एक सुगंध है जो प्रकृति के साधारण नियमों से पार विपरीत दिशा में चली जाती है।

संत, सज्जन, जाग्रत, प्रज्ञावान व्यक्ति के सदाचार की सुगंध की कोई सीमाएं नहीं होती। ऐसे शीलवान लोग अपने शील की सुगंध से स्वयं महकते है और संसार रूपी गुलशन को भी महकाते हैं। सिर्फ सब दिशाओं में ही नहीं बल्कि सारे जगत में हर काल में भी फैलती है। संसार में वे शरीर के रूप में नहीं रहने के बाद भी हर युग में फैलती है।

सत्यपुरूष सिर्फ एक दिशा में ही जाते हैं। प्रज्ञावान, शीलवान, सज्जन, सदाचारी लोग अपना सही मार्ग चुनकर एक ही दिशा में चलते हैं। धम्म के निर्वाण पथ पर चलते है और जब मंजिल मिल जाती है तो सब दिशाओं में उनके शील की सुगंध फैलती है, स्वतः ही फैलती है। वे सिर्फ एक दिशा की ओर चलते हैं और एक को पाने के लिए ही प्रयास करते हैं। कहते हैं, जिसने एक को पा लिया उसने सब पा लिया।

सामान्यजन संसार में हर दिशा की ओर भागता है, लेकिन आखिर हासिल कुछ नहीं होता, असार ही मिलता है। मनुष्य अपने शरीर को बाहरी रूप से सुगंधित करने के लिए तरह-तरह के लेप करता, चीजों का प्रयोग करता है, सजाता है, इत्र लगाता है। लाख कोशिशों के बावजूद व्यक्ति के मन,वाणी और शरीर के कर्म उसकी असलियत को उजागर कर देते हैं।

तथागत कहते है, मनुष्य अपने अंदर प्रज्ञा का लेप करे, और सद्गुणों की सुगंधिया लगाए तो ऐसे सज्जनों की सुगंध हवा के विपरीत भी फैलेगी। फूलों की सुगंध के फैलने की सीमाएं हैं ज्यादा दूरी तक भी नहीं फैलती है परन्तु सदाचार, सद्गुणों की सुगध की कोई सीमा नहीं होती है, संसार की हर दिशा और हर काल में फैलती है, वह अनन्त समय तक प्राणी जगत को महकाती है।

शीलवान, संतजनों की सब प्रशंसा करते हैं

धम्मपद गाथा-55,

चन्दनं तगरं वापि उप्पल अथ वस्सिकी।

एतेसं गन्धजातानं सीलगन्धो अनुत्तरो ।।

चंदन हो या तगर, कमल हो या जूही, कोश इन सभी चीजों की सुगंधों से शील (सदाचार) की सुगंध सर्वोत्तम है, सबसे बढ़कर है।

वनस्पति जगत सुंदरता के साथ भांति-भांति की मनमोहक सुगंधियों का भी भंडार है। सभी को यह सुगंधियां आकर्षित करती है सभी कुछ क्षण के लिए अपने तन-मन में उतार कर आनंदित होना चाहते हैं लेकिन सच यह है कि ये सुगंधियां भौतिक हैं, इनका उपयोग सिफ हमारे शरीर तक सीमित है।

ये मन को कुछ हद तक प्रसन्न कर सकती हैं, कुछ समय तक आनंद का अनुभव करा सकती हैं। इसके विपरीत शील की सुगंध सर्वोत्तम है उसका कोई मुकाबला नहीं है। सदाचारी, शीलवान, सज्जन लोगों की सभी जगह प्रशंसा होती है, हर कोई उनसे मिलने, सुनने और उनके बताए मार्ग पर चलने को आतुर रहते हैं। उनका सानिध्य दूसरों को शांति प्रदान करता है।

शील (**morality**) क्या है?

शील नैतिक अभ्यास है जिसमें मन, वाणी और शरीर से कुशल कर्मों को करना, संचय करना और अकुशल कर्मों का नहीं करना। शील भगवान बुद्ध की शिक्षाओं की शुरूआत का पहला कदम है। साधारण अर्थ में इसे व्यक्ति के स्वभाव, चरित्र, शिष्टता, विनम्रता, आचरण, मर्यादा, चाल-चलन, सदाचार उत्तर आचार से होता है।

शील का अर्थ है नैतिकता, सद्गुण। चूंकि शीलवाद व्यक्ति मन, वाणी और शरीर से कुशल कर्मों में गंभीर होता है। इसलिए वह दुखों से अधिक मुक्त होता है। बुद्ध की शिक्षाओं में गृहस्थों के लिए पांच और भिक्षु-भिक्षुणी के लिए दस शीलों का विवरण है। शील के बिना व्यक्ति धम्म के मार्ग पर आगे नहीं बढ़ सकता और समाधि को प्राप्त नहीं हो सकता। समाधि से ही व्यक्ति में प्रज्ञा विकसित होती है। इसलिए शील तो धम्म का आधार है। शील की सुगंध ही सर्वोत्तम है। लेकिन बुद्ध वचनों में शील का अर्थ चरित्र नहीं है। समाज, संस्कृति, संस्कार, मान्यता, परम्परा, विचार, नियम आदि से चरित्र बनता है। मानो थोपे गए हो जबकि शील व्यक्ति के अंदर से पैदा होते हैं, ध्यान साधना से पैदा होते हैं।

सबका मंगल हो... सभी प्राणी सुखी हो।

प्रस्तुति डॉ एम एल परिहार, जयपुर

ताईक्वांडों चैंपियनशिप में शक्तिनगर की गुंजन ने जीता गोल्ड मेडल

वीएमएमए के खिलाडियों ने मार्शल आर्ट की हर विद्या में जीते गोल्ड मेडल

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल । जिला की बेटी गुंजन ने राज्य स्तरीय ताईक्वांडों प्रतियोगिता 2022 में गोल्ड मेडल जीत कर अपने माता पिता का नाम रोशन किया। गुंजन ने जीत का श्रेय अपने कोच को दिया। ताईक्वांडों चैंपियनशिप का आयोजन हरियाणा स्टेट ताईक्वांडों एसोसिएशन की ओर से 23 से 26 दिसम्बर तक किया। बस स्टैंड पर शहरवासियों ने खिलाडियों फूल मालायें पहनाकर जोरदार स्वागत किया। गुंजन, राधिका, रितिका ने पूम्मसे में गोल्ड मेडल एवं भतेरी, सौरभ ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। कोच वंदना ने बताया कि वह विक्रांत मिक्सड मार्शल आर्ट एकेडमी में ताईक्वांडों का अभ्यास करती है। कोच ने उसे बेहतरीन ढंग से सिखाया है। कराटे कोच वंदना हमेशा कहती हैं कि हार जीत की चिंता किये बिना हमें अपना शानदार प्रदर्शन करना चाहिए। गुंजन ने बताया कि वह कोच बनकर जरूरतमंद लडकियों को मार्शल आर्ट सिखाकर आत्म निर्भर बनाना चाहती है। मार्शल आर्ट कोच बनना और अपने मातापिता के सारे सपनों को पूरा करना ही उसका सपना है। दिल में विश्वास है कि उसका यह सपना कोच के आर्शीवाद से ही पूरा होगा। विराज भाई ने उसे पूम्मसे करना सिखाया था। विराज भाई एकेडमी में सबसे अच्छा काता एवं पूम्मसे करते हैं। गोल्ड मेडलिस्ट रितिका ने बताया कि उनके कोच की मेहनत से ही यह जीत उनको मिली है। क्योंकि इस प्रतियोगिता में भेजने के लिए उसके मातापिता तैयार नहीं थे और यहां तक उसके ताउ ने मार्शल आर्ट छोडने तक को कह दिया था। कराटे कोच वंदना ने ही उसके मम्मी पापा को समझाया कि रितिका बहुत अच्छी फाइटर है। जिसके बाद उसके परिवार वालों ने उसे प्रतियोगिता में भेजा। इसके बाद गोल्ड मेडल जीतकर सबका मुंह बंद कर दिया। लोग आपके बारे में बहुत कुछ बोलेंगे, कडी मेहनत कर अपनी प्रतिभा के दम पर ही आप अपनी पीठ पिछे बोलने वालों का मुंह बंद कर सकते हैं। आज सबको लगता है कि हम एक सफल फाइटर हैं या फिर सफल कोच बन चुके हैं। लेकिन यह कोई नहीं जानता कि हम यहां कितनी ही मुसीबतों के लडने के बाद पहुंचे हैं। इसके लिए हमारे कोच ने बहुत मेहनत की और कदम कदम पर हमारा साथ दिया। ताईक्वांडों प्रतियोगिता में नवनीत, कमलदीप, वीर ब्राउंज, सौरभ व भतेरी सिल्वर, रितिका, राधिका एवं गुंजन ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

साहिब-ए-कमाल श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के प्रकाशोत्सव पर सजाया महान नगर कीर्तन

सरबंसदानी की कुर्बानी को याद कर संगत ने नवाया शीश

सरबंसदानी और साहिबजादों से ले प्रेरणा : हरभजन सिंह मसाना

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । साहिब-ए-कमाल श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के प्रकाश उत्सव को समर्पित महान नगर कीर्तन ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही दसवीं से सजाया गया। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज की छत्रछाया में सजाए गए महान नगर कीर्तन की अगुवाई पांपरिक वेशभूषा में सजे पंज प्यारों ने की। इस दौरान फूलों से सजी श्री पालकी साहिब में विराजमान श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के समक्ष शीश नवाने के लिए संगत की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। नगर कीर्तन के शुभारंभ से पहले ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी के हैड ग्रंथी भाई गुरदास सिंह ने गुरु चरणों में अरदास की। शुभारंभ अवसर पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर के मैंबर जत्थेदार हरभजन सिंह मसाना, धर्म प्रचार कमेटी मैंबर तजिंदरपाल सिंह लाडवा, हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी की कार्यकारिणी समिति मैंबर बीबी रविंदर कौर, शिरोमणि अकाली दल हरियाणा के पूर्व प्रदेश प्रवकता एवं हरियाणा सिख परिवार के प्रदेशाध्यक्ष कवलजीत ड्क्षसह अजराना, सब ऑफिस सचिव डॉ परमजीत सिंह सरोहा, इंटर्नल एडिटर बेअंत सिंह, लीगल सहायक राजपाल सिंह, मैनेजर अमरिंदर सिंह, राजेंदर सिंह सोढी, जरनैल सिंह बोढी, जज सिंह, सुखविंदर सिंह ने भी विशेष रूप से हाजिरी भरी। मैनेजर अमरिंदर सिंह ने सभी अतिथिगणों को सिरोपा भेंट कर उनका अभिनंदन किया। नगर कीर्तन के आगे-आगे संगत ने सफाई करते हुए जल का छिडकाव कर सेवा की। जगह-जगह संगत ने स्टाल लगाकर फल, ब्रैड पकौड़े व चाय की सेवा करते हुए पुण्य कमाया। यह नगर कीर्तन गुरुद्वारा साहिब पातशाही दसवीं से शुरु होकर बिरला मंदिर, शास्त्री मार्किट, मौती चौंक, शेख चहेली मकबरा, झांसा रोड, किला तेज प्रताप सिंह, रोटरी चौंक, गुलजारी लाल नंदा मार्ग, कुटिया वाली गली, रेलवे रोड से होकर ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी में पहुंचा। यहां पहुंचने पर संगत ने आतिशबाजी और पुष्प वर्षा से महान नगर कीर्तन का अभिनंदन किया।

मानव जाति को गुरबाणी दिखाती है सद्मार्ग :

जत्थेदार हरभजन सिंह

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर के मैंबर जत्थेदार हरभजन सिंह मसाना ने कहा कि सरबंसदानी श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज ने देश, कौम और धर्म के लिए अपना परिवार न्यौछावर कर दिया। उनके चारों साहिबजादों ने अपने पिता द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए जीवन बलिदान कर दुनिया के लिए अनोखी मिसाल पेश की। इसलिए हमें गुरु साहिब और उनके साहिबजादों के जीवन से प्रेरणा लेकर जिंदगी में आगे बढना चाहिए। इसके अलावा बच्चों को ऐतिहासिक स्थलों का भी भ्रमण करवाते हुए उन्हें गुरु इतिहास से अवगत कराना चाहिए, कयोंकि इससे बच्चें न केवल उत्साहित, बल्कि प्रेरित भी होते हैं। जत्थेदार मसाना ने कहा कि गुरबाणी मानव जाति को सद्मार्ग दिखाती है। जीवन की हर समस्या का समाधान गुरबाणी में मिलता है, जरुरत है बस सच्ची श्रद्धा से सिमरन करने की। उन्होंने संगत से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को गुरु इतिहास और गुरबाणी से जोड़ें, ताकि भविष्य में वे आदर्श नागरिक रूप में देश और कौम के लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त करने में सफल हों।

जितेंद्र खैरा सवम्मति से चुने गए पिपली ब्लाक सरपंच एसोसिएशन के प्रधान

दीपक मेहरा बने उप प्रधान, अभिषेक को मिली एसोसिएशन के सचिव की जिम्मेवारी

प्रधान चुने जाने पर जितेंद्र खैरा ने पिपली ब्लाक के सभी सरपंचों का जताया आभार

गजब हरियाणा न्यूज

पिपली। खैरा गांव के सरपंच जितेंद्र खैरा सर्वसम्मति से पिपली ब्लॉक सरपंच एसोसिएशन के प्रधान चुने गए हैं। पिपली ब्लाक के सरपंचों की हुई बैठक में जितेंद्र खैरा को सर्वसम्मति से एसोसिएशन का प्रधान चुना गया। इसके अलावा अटल नगर के सरपंच दीपक मेहरा को एसोसिएशन का उप प्रधान चुना गया, जबकि गोविंद माजरा के सरपंच अभिषेक को एसोसिएशन का सचिव चुना गया। सरपंच एसोसिएशन का प्रधान चुने जाने पर जितेंद्र खैरा ने सभी सरपंचों का आभार जताया और विश्वास दिलाया कि वे सभी सरपंचों के साथ सहयोग के साथ काम करेंगे और उनकी जो भी समस्याएं होंगे उन्हें प्रशासन के आगे रखकर उन्हें हल कराने का काम किया जाएगा । ब्लॉक के अंदर भाईचारा बनाने का काम किया जाएगा। एक दूसरे के सुख दुख में सभी सरपंच सहयोग करेंगे और जरूरत पडने पर सभी की मदद करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

एसोसिएशन का प्रधान चुने जाने के बाद जितेंद्र खैरा ने पिपली ब्लाक के सभी सरपंचों के साथ बैठक की और उनके साथ विचार सांझे किए। बैठक में उन्होंने सभी सरपंचों से आग्रह किया कि वे निसंकोच कभी भी अपने गांव की पंचायत से संबंधित कार्यों के लिए उनसे बातचीत कर उन कार्यों को प्रशासन के समक्ष रखने की बात कही। प्रधान जितेंद्र खैरा, उप प्रधान दीपक मेहरा व सचिव अभिषेक ने कार्यक्रम के दौरान सभी सरपंचों को मिठाई खिलाकर उनका अभिवादन किया। सभी सरपंचों ने एसोसिएशन के प्रधान चुने गए जितेंद्र खैरा को विश्वास दिलाया कि वे उन्हें पूरा सहयोग देंगे और उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। जब भी एसोसिएशन को उनकी जरूरत पड़ी तो वह हर समय उपलब्ध रहेंगे । इस मौके पर सिरसला पंचायत के सरपंच बलविंद्र सिंह, बजीदपुर के सरपंच विक्रम सिंह, बीड़ खैरी के सरपंच मुकेश, बीड़ मथाना के सरपंच देवी दयाल, डेरा पुरबिया के सरपंच राजेश कुमार, खानपुर कोलियां के सरपंच रामकुमार, मोरथला के सरपंच प्रेम सिंह, प्रतापगढ के सरपंच प्रदीप कुमार सहित अनेक गांवों के महिला सरपंचों के प्रतिनिधि शामिल रहे।

भारत गणितज्ञों का देश रहा है : प्रोफेसर दोजा

कुवि के गणित विभाग द्वारा रीसेंट डेवलपमेंट इन मैथेमेटिक्स विषय पर फैकल्टी लॉज में दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का हुआ समापन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा 'रीसेंट डेवलेपमेंट्स इन मेथेमटिक्स' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए ट्रिपल आईटी के निदेशक प्रोफेसर एमएन दोजा ने कहा कि बिना गणित के सूचना एवं प्रौद्योगिकी की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि यद्यपि गणित विषय की उपयोगिता सार्वभौमिक है, लेकिन इंजीनियरिंग के लिए यह विशेष रूप से आवश्यक है।

हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद एवं कुरुक्षेत्र विश्व विद्यालय के सहयोग से आयोजित हुई संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा ने प्राचीन काल में भारत के विश्व गुरु होने में वैदिक गणित के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि हमें वैदिक गणित के क्षेत्र में शोध कार्य को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय प्रबंधन, खगोल शास्त्र तथा भौतिकी एवं पुस्तकालय विज्ञान में गणित एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के भूतपूर्व उप कुलपति एवं जाने माने गणितज्ञ प्रोफेसर डी.एस. हुड्डा ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गणित सीखने का एक ही ढंग है, इसे करके देखना।

गोष्ठी के आयोजन सचिव प्रोफेसर विनोद कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस संगोष्ठी में 103 प्रतिभागियों ने अपना पंजीकरण करवाया और देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों से आए 77 प्राध्यापक एवं शोध विद्यार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए ।

संगोष्ठी के आयोजक, गणित विभाग के अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, विज्ञान संकाय व छात्र कल्याण प्रो. अनिल वशिष्ठ ने बताया कि इस संगोष्ठी को आयोजित करने का प्रमुख उद्देश्य गणित के क्षेत्र में भारतीय गणितज्ञों के योगदान एवं प्राचीन भारतीय गणित तथा वैदिक गणित के महत्व को रेखांकित करने के साथ-साथ गणित जगत में हुई हालिया तरक्की का खाका खींचना भी था। उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से संबद्ध कालेजों के एमएससी गणित में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए गणित विभाग द्वारा आयोजित 'पोपुलर साइन्स स्लाइड शो/ पीपीटी शो की त्रिस्तरीय प्रतियोगिता' के द्वितीय चरण से 35 प्रतिभागियों में से तीसरे और

अंतिम चरण में पहुंचे 8 प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति 27 दिसम्बर 2022 को राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान दी जिनमें से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के गणित विभाग से अनुराधा, के वी ए डी ए वी कॉलेज फॉर वुमेन, करनाल की जगन प्रीत कौर एवं आर्य पीजी कॉलेज पानीपत की दीपिका को क्रमश: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेता के रूप, में कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।।

रामकरण चुने गए हरियाणा स्कूल एजूकेशन आफिसर एसोसिएशन के अध्यक्ष

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ठसका मीरांजी के प्रधानाचार्य रामकरण को हरियाणा स्कूल एजूकेशन आफिसर एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया है। देवीदासपुरा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित एसोसिएशन की बैठक में उन्हें सर्वसम्मति से अध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी गई। चुनाव एसोसिएशन के स्टेट आब्जर्वर धर्मपाल की देखरेख में संपन्न हुआ। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खैरी के प्राचार्य दया सिंह को सचिव चुना गया। चुनाव प्रक्रिया में वीरेंद्र वालिया, रामपाल सिरोहा की मुख्य भूमिका रही। जबकि चुनाव प्रक्रिया में कुरुक्षेत्र जिले के सभी प्रधानाचार्यों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से प्रधानाचार्य बलजीत जास्ट, राजकुमार तुषार, रमेश कुमार रोहिला, सत्यपाल, कमल बत्रा, शशि किरण, राजेश्वरी देवी, नवदीप कौर ने भाग लिया। जबकि प्राचार्या राजेश्वरी ने विद्यालय की पूरी व्यवस्था को देखा। एसोसिएशन का अध्यक्ष चुने जाने पर रामकरण ने सभी प्रधानाचार्यों का आभार जताया और विश्वास दिलाया कि वे सभी के सहयोग के साथ एसोसिएशन के कार्यों को आगे बढाने का काम करेंगे।

सभी सरपंच, पंच व ब्लॉक समिति सदस्य मिलकर करें विकास : संदीप गर्ग

समाजसेवी संदीप गर्ग ने किया पिपली ब्लॉक के सरपंचों, पंचों व ब्लॉक समिति सदस्यों को सम्मानित

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

पिपली । स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन संदीप गर्ग द्वारा हर बार की तरह एक बार फिर नई मिसाल पैदा की गई। बुधवार को पिपली एक निजी पैलेस में छोटी सरकार के लिए चुने गए जन प्रतिनिधियों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। पिपली ब्लाक में चुने गए सभी पंच –सरपंचों व ब्लाक समिति के सदस्यो को मंच के माध्यम से जोड़कर उनका सम्मान, परिचय व मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

प्रसिद्ध समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि बहुत समय बाद चुनाव हुए है और जो नवनिर्वाचित सरपंच, पंच व ब्लॉक समिति सदस्य बने है। वह सभी एक दूसरे के साथ मिलकर काम करें ताकि गांव व पंचायत का विकास हो सकें। उन्होंने कहा कि अगर किसी पंचायत में किसी को कोई दिक्कत आती है तो वह मुझसे भी मिल सकता है। वहीं इससे पहले भी समाजसेवी संदीप गर्ग लाडवा और बाबैन ब्लाक में पंचायतों और ब्लाक समिति के सदस्यो को सम्मानित कर चुके है। लाडवा विधानसभा में भोजन व स्वास्थ्य सेवाओं को जन जन तक पहुंचाने वाले समाजसेवी संदीप गर्ग के इस कदम की खूब सराहना हो रही है। संदीप गर्ग ने स्टालवार्ट फाउंडेशन के बैनर तले लाडवा , बाबैन व यारा में रसोई के माध्यम से मात्र पांच रुपए में भर पेट खाना लोगो को उपलब्ध करवा रहे है ,लोगो के स्वास्थ्य की मुक्त जांच के लिए मोबाइल मेडिकल वैन , एंबुलेंस जनता की सेवा में उपलब्ध करवाई है।उन्होंने कहा कि एक ब्लॉक के तहत आने वाले कई गावों की समस्याएं एक जैसे होती है ऐसे मंच पर एक दूसरे के सुझाव से विकास कार्यों में गति आएगी। सम्मान समारोह में ब्लॉक समिति सदस्य सोहन लाल मथाना, कविता रानी खैरी, नरेंद्र सिंह किशनपुरा, रणधीर नमबरदार खैरी, संजीव गौड मथाना, रणजीत नैन बोहली और सरपंच एसोसिएशन के उपप्रधान दीपक मेहरा ने अपने विचार मंच के माध्यम से रखे।

इनको किया गया सम्मानित

अटल नगर सरपंच दीपक मेहरा, सुनील कुमार सरपंच प्रतिनिधि बिहोली, चमेला राम झिरबडी, रवि कुमार मथाना सरपंच प्रतिनिधि, सुरेश कुमार खैरी, रोशन लाल शंकर कॉलोनी, बालकिशन रामगढ़, राजेश कुमार डेरा पूर्विया, सीमा रानी अंटेडी, देवी दयाल बीड मथाना, कुलदीप सिंह कलालमाजरा,जितेंद्र सिंह बोड़ी, सुनील कुमार बिहोली, सुखदेव सिंह कानीपला संदीप कुमार ईशरगढ़, सुरेश कुमार खैरी, विक्रम सिंह बजीदपुर, बलजिंदर सिंह कोलापुर, खुशी राम गादली, सतीश कुमार बदचपुर ,रामकुमार खानपुर कोलिया, सुभाष चंद बिहोली,लक्ष्मण दास कोलापूर,सतनाम सिंह झिरबड़ी, गुरमीत सिंह इशरगढ़, नीरज कुमार खानपुर कोलिया आदि को सम्मानित करने का काम किया गया।

श्रीमती मंजू गौतम महिला प्रकोष्ठ कि प्रदेश चेयर पर्सन नियुक्त समिति के प्रदेश अध्यक्ष मनजीत दहिया ने दिया नियुक्ति पत्र

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

पंचकूला । हरियाणा की प्रख्यात सामाजिक संस्था हरियाणा अंबेडकर संघर्ष समिति की एक आवश्यक बैठक आज स्थानीय सेक्टर 26 पंचकूला में अखिल भारतीय अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन हरियाणा प्रांत के अध्यक्ष स्वामी चरण की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि समिति के प्रदेश अध्यक्ष एवं भारतीय अनुसूचित जाति एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत सिंह दहिया लाखन माजरा पहुंचे ।

इस अवसर पर समिति के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी मनजीत सिंह दहिया ने कहा कि समिति प्रदेश भर में महिला जागरूकता अभियान पिछले 20 वर्षों से चला रही है । उन्होंने सेक्टर 26 की श्रीमती मंजू गौतम को अंबेडकर संघर्ष समिति हरियाणा महिला विंग की प्रदेश चेयर पर्सन नियुक्त किया है। समिति के प्रदेश अध्यक्ष मनजीत दहिया ने श्रीमती मंजू गौतम से आशा व्यक्त की है कि वे महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष करेंगी और उनके उत्थान हेतु महिला सशक्तिकरण अभियान को मजबूत बनाएंगे। इस अवसर

पर कृष्ण लाल बराड़ महासचिव कार्यवाहक श्री गुरु रविदास सभा सेक्टर 15 पंचकूला एवं अध्यक्ष श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ अंबाला मंडल हरियाणा, जोगेंद्र बौद्ध मौली जागरांन सदस्य गुरु रविदास सभा श्रीमती सुषमा कीर्तन मंडली सदस्य, सुमन सदस्य कीर्तन मंडली गौतम सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे । पंचकूला की टीम ने मनजीत सिंह दहिया व् अतिथिओं का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया ।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समिति के प्रदेश अध्यक्ष मनजीत सिंह दहिया ने पदाधिकारियों को डॉक्टर अंबेडकर जी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प दिलवाया और सभी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया ।

साहिबजादों की शहादत एवं बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा : प्रो. ब्रजेश साहनी

सिक्ख इतिहास ही शहादत से भरा हुआ : डॉ. नरिंदर सिंह विर्क

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल

कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पंजाबी विभाग द्वारा बुधवार को विभाग में साहिबजादों की शहादत को समर्पित एक व्याख्यान करवाया गया जिसका विषय 'शहादत परंपरा और साहिबजादों की शहीदी' रखा गया। इस अवसर पर कुवि के अधिष्ठाता कला एवं भाषा संकाय प्रो. ब्रजेश साहनी ने बतौर मुख्य अतिथि अपने वक्तव्य में साहिबजादों की शहादत के बारे में बोलते हुए कहा कि विश्व भर के इतिहास में कहीं भी इस तरह की शहादत हमें देखने को नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि साहिबजादों की शहादत एवं बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। साहिबजादों की शहादत पूरे विश्व भर के सबसे ज्यादा दर्दनाक और दिल में कंपन पैदा कर देने वाला घोर पाप का साका है। उन्होंने साहिबजादों के मानवता की रक्षा के लिए किए गए इस महान बलिदान की बात करते हुए हमें भी मानवता की सेवा करने और लाचार और गरीब लोगों को अपने साथ लेकर चलने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. नरिंदर सिंह विर्क, पूर्व डिप्टी चेयरमैन, हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी, पंचकूला ने बतौर मुख्य वक्ता शहादत और शहीदी की परंपरा को समझने के लिए संस्कृति को समझने के लिए आह्वान किया। डॉ. विर्क ने बताया कि सारा सिक्ख इतिहास ही शहादत से भरा हुआ है। शहीदी परंपरा गुरु अर्जुन देव जी से शुरू हो जाती है और लगातार चलती रहती है। उन्होंने कहा कि साहिबजादों और माता गुजर कौर जी की शहादत विश्व भर के इतिहास में लासानी शहादत है साहिबजादों के अंदर सिक्खी सिदक की भावना के साथ जुल्म के तशदद के विरुद्ध, धार्मिक स्वतंत्रता के लिए डटकर मुकाबला करने की भावना प्रकट होती है। साहिबजादों ने धर्म और मानव रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया। उन्होंने बताया कि इतनी छोटी आयु में साहिबजादों का इतना प्रबुद्ध होना कोई सामान्य बात नहीं है उनको शहादत और शहीदी विरासत में ही मिली थी।

कार्यक्रम में मंच संचालन करते हुए पंजाबी विभाग की असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. परमजीत कौर सिधु ने आए हुए मेहमानों का स्वागत किया व जान-पहचान करवाई। डॉ. सिधु ने साहिबजादों की लासानी शहादत को याद करते हुए शहादत परंपरा और सिक्ख इतिहास में हुई कुर्बानियों की बात की। उन्होंने गुरु साहिबानों की बाणी को व्यवहारिक रूप से ग्रहण करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डा. कुलदीप सिंह जी ने आए हुए मेहमानों का धन्यवाद करते हुए उन्हें शाल व स्मृति चिन्ह भेंट किया और विद्यार्थियों को आए हुए विद्वानों के विचारों को व्यवहारिक रूप से जीवन में लाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने साहिबजादों की शहादत को नमन करते हुए वर्तमान समय के संदर्भ शहादत की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान पंजाबी व हिन्दी विभाग के शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

स्कूली जीवन के दौरान विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल

कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा है कि स्कूली जीवन के दौरान विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है। विद्यार्थी जीवन में बच्चों को शिक्षा, खेलकूद सहित अन्य सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में भाग लेना चाहिए। वे बुधवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल के छात्रों को नेशनल स्पर्धा में रनरअप ट्रॉफी एवं अन्य प्रतियोगिताओं में स्वर्ण, रजत एवं कास्य पदक जीतने पर बधाई देते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि स्कूली जीवन में ही बच्चे के मन एवं मस्तिष्क का निर्माण होना शुरू होता है तथा सीखने के परिपेक्ष्य से यह समय एक छात्र के लिए महत्वपूर्ण होता है।

इस अवसर पर कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने पानीपत के पाइट (पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) कॉलेज में आयोजित हुई नेशनल लेवल की एन आइडियॉथन स्पर्धा में यूनिवर्सिटी स्कूल की विजेता टीम को रनर-अप की ट्रॉफी हासिल करने पर बधाई दी। इसके साथ ही कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने पंचकूला में आयोजित राज्यस्तरीय स्कवे मार्शल आर्ट के 18 आयु वर्ग में 9वीं कक्षा की मन्नत, 11 आयु वर्ग में तीसरी कक्षा के हार्दिक के स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी। वहीं खेलो हरियाणा के तहत 10वीं कक्षा की वंशिका के साईक्लिंग में रजत एवं कांस्य पदक जीतने पर उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए स्कूल के प्राचार्य डॉ. मीत मोहन, खेल शिक्षक संदीप चौहान, मंदीप, शिक्षिका महिमा अरोड़ा एवं शैलजा को बधाई दी। इस अवसर स्कूल की वाईस चेयरपर्सन प्रो. शुचिस्मिता ने भी विजयी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डीटीपी की टीम ने राजस्व संपदा रतगल में अवैध कॉलोनी में चलाया पीला पंजा

डीटीपी की टीम ने रतगल में अवैध कॉलोनी में अवैध निर्माण को हटाया

उपायुक्त शांतनु शर्मा के आदेशानुसार प्रशासन ने की कार्रवाई

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल

कुरुक्षेत्र, जिला नगर योजनाकार की टीम ने उपायुक्त शांतनु शर्मा के आदेशानुसार राजस्व संपदा रतगल थानेसर जिला कारागार के पीछे क्षेत्र में 6.96 एकड़ में विकसित हो रही अवैध कालोनी में पीला पंजा चलाया। इस टीम ने इस क्षेत्र में अवैध कालोनी में निमार्णाधीन 5 अवैध मकान, 2 डीपीसी, सीवरेज लाईन, पक्का रोड नेटवर्क, पानी की पाईप लाईन, बिजली के खंबो को पीले पंजे की मदद से हटाया गया है।

जिला नगर योजनाकार अधिकारी सविता जिंदल ने जारी एक प्रेस विज्ञप्त में कहा कि राजस्व सम्पदा रतगल थानेसर क्षेत्र में विकसित हो रही अवैध कालोनी में उपायुक्त शांतनु शर्मा के आदेशानुसार प्रशासन के सहयोग से तोडफोड़ की कार्रवाई अमल में लाई गई है। उपायुक्त के आदेशानुसार तहसीलदार थानेसर अमित कुमार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया और डयूटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ डीटीपी की टीम राजस्व संपदा रतगल थानेसर जिला कारागार के पीछे में अवैध कालोनी में निमार्णाधीन 5 अवैध मकान, 2 डीपीसी, सीवरेज लाईन, पक्का रोड नेटवर्क, पानी की पाइप लाइन, बिजली के खंबो को हटाने का काम किया। उन्होंने लोगों को सचेत करते हुए कहा कि सस्ते प्लाटों के चक्कर में प्रॉपर्टी डीलर के बहकावे में आकर प्लाट ना खरीदें और ना ही किसी प्रकार का निर्माण कार्य करे। इतना ही नहीं जमीन की खरीद करने से पहले डीटीपी कार्यालय से कॉलोनी की वैधता और अवैधता की जानकारी प्राप्त कर लें। इसके साथ ही सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार भी रजिस्ट्री करने से पहले सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करें।

उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अवैध कालोनियों में कोई प्लॉट खरीदता है तो उसके विरुद्ध भी डीटीपी कार्यालय द्वारा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी और जिसमें 50 हजार का जुर्माना व 3 साल की सजा का प्रावधान है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सरकार द्वारा चलाई गई ग्रुप हाउसिंग स्कीम दीनदयाल हाउसिंग स्कीम, अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग स्कीम जिसमें 5 एकड़ भूमि पर लाइसेंस प्रदान किया जाता है, में आवेदन करके कॉलोनी काटने की जरूरी अनुमति प्राप्त कर ले।

मुख्यमंत्री अंत्योदय मेला सरकार की एक महत्वाकांक्षी एवं अनूठी योजना: एडीसी

एडीसी आयुष सिन्हा ने पंचायत भवन में आयोजित अंत्योदय मेला का अवलोकन

पात्र व्यक्तियों को किया हर हित स्टोर खोलने के लिए प्रेरित

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर, आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में यमुनानगर के पंचायत भवन में मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत बुधवार को अंत्योदय मेला का आयोजन हुआ। इस मेले में 375 लाभार्थियो ने योजना का लाभ उठाया। अतिरिक्त उपायुक्त आयुष सिन्हा ने अंत्योदय मेला का अवलोकन करते हुए पात्र व्यक्तियों से हर हित स्टोर खोलने व सरकार की अन्य योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगार स्थापित करते हुए अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

अंत्योदय यानि अंतिम व्यक्ति के उदय की भावना रखना जरूरी

एडीसी आयुष सिन्हा ने कहा कि हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में अंत्योदय यानि अंतिम व्यक्ति के उदय की भावना अनुरूप कार्य कर रही है, जिसका गरीब वर्ग के लोगों को पूरा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति को लाभान्वित करना है। सरकार द्वारा गरीब परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर समाज की मुख्यधारा में लाया जा रहा है ताकि वे किसी के अधीन न रहे और समाज में सिर उठाकर जीवन यापन कर सकें। उन्होंने कहा कि लाभपात्रों को मेले में आए सभी विभाग अपनी स्कीमों के तहत स्वरोजगार देना सुनिश्चित करें। उन्होंने बैंक अधिकारियों को मेले में आए आवेदनों को शीघ्र मंजूर कर लोन देने के निर्देश दिए।

गरीब परिवारों के उत्थान में मील का पत्थर साबित हो रही योजनाएं

अतिरिक्त उपायुक्त आयुष सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना प्रदेश सरकार की एक महत्वाकांक्षी एवं अनूठी योजना है जो गरीब परिवारों के कल्याण एवं उत्थान में मील का पत्थर साबित हो रही हैं। उक्त योजना के चौथे चरण की शुरुआत हो चुकी है,जिसके तहत जिला में यह पहला मेला लगाया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना का उद्देश्य अंत्योदय ग्राम उत्थान मेलों में चयनित लोगों का आर्थिक रूप से उत्थान करना है। उन्होंने बताया कि इनमें एक लाख अस्सी हजार रूपए से कम आय वाले परिवारों को बुलाया गया है। सरकार का उद्देश्य है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की आय में किसी ना किसी योजना का लाभ देकर बढ़ोतरी करवाई जाए। सरकारी विभागों के पास अनेक ऐसी योजनाएं हैं, जिनको अपनाकर कोई भी परिवार अपनी आजीविका चला सकता है।

हरहित स्टोर भी आमदनी का बेहतर जरिया

एडीसी आयुष सिन्हा ने बताया कि हरियाणा सरकार की हर हित स्टोर खोलने की महत्वपूर्ण योजना है। अंत्योदय मेला के पात्र परिवार सरकार की इस योजना का लाभ उठाकर अपने घर के समीप ही हर हित स्टोर खोल सकते हैं। इसके अतिरिक्त बागवानी विभाग के पास ही अनुदान की अनेक स्कीमें हैं। उदाहरण के तौर एक मशरूम ईकाई या मधुमक्खी पालन ईकाई स्थापित कर एक परिवार आय का ठोस जरिया पैदा कर सकता है। इसी प्रकार मनरेगा स्कीम में अपने गांव में ही श्रमदान कर परिवार के दो-तीन आदमी रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। गांव में दस-बारह लोगों का स्वयं समूह बनाकर मछली पालन या झींगा पालन की ईकाई शुरू की जा सकती है। मेले में चिन्हित गरीब पात्र परिवारों को बुलाया गया था। मेले के दौरान लोगों मे काफी उत्साह देखने को मिला।

अंत्योदय मेला में इन विभागों ने लगाई स्टालें

मेले में रोजगार विभाग, पशुपालन, बागवानी, पंचायत विभाग, पीएनबी बैंक, अनुसूचित व पिछड़ा वर्ग कल्याण निगम, महिला विकास निगम, समाज कल्याण विभाग, कॉमन सर्विस सैंटर, सूक्ष्म लघु व मध्यम उद्योग विभाग, आदि ने अपनी स्टाल लगाकर अपने अपने विभाग से संबंधित योजनाओं का पात्र परिवारों लाभ को दिया गया।

मेले में इन अधिकारियों की रही उपस्थिति

इस अवसर पर एसडीएम जगाधरी सुशील कुमार,जिला समाज कल्याण अधिकारी के प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह, एलडीएम रणधीर सिंह ,जिला रैडक्रास सचिव डाक्टर सुनील कुमार, जिला योजना अधिकारी सचिन परुथी, एलडीएम रणधीर सिंह, जिला बालकल्याण अधिकारी सुखविंदर सिंह, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber : HAR/HIN /2018/77311